लखनऊ

बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 231

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"हर दिन एक नया मौका है पिछली गलतियाँ भुलाकर आगे बढ़ने का सबसे अच्छा समय आज ही है।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi

NIGHT 17° Low

संक्षेप

यूपी में अल-कायदा से जुड़े आतंकी साजिश में तीन को सजा, उम्रकैद भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने उत्तर प्रदेश में अल-कायदा से जुड़ी आतंकी साजिश में तीन लोगों को सजा सुनाई है। लखनऊ की विशेष अदालत ने सोमवार को इन तीनों को पांच साल के कठोर कारावास से लेकर उम्रकैद तक की अलग-अलग जेल की सजा सुनाई। दोषी ठहराए गए इन आतंकियों पर 20,000 रुपये तक का जुर्माना भी लगाया गया है। इस साजिश का उद्देश्य 2021 में स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राजधानी सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देना था। जिन तीन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनकी पहचान लखनऊ के मुसीरुद्दीन उर्फ राजू और मिन्हाज अहमद उर्फ मिन्हाज तथा जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के तौहीद अहमद शाह उर्फ सोबू शाह के रूप में हुई है। एनआईए ने 2022 में दो आरोपपत्रों के माध्यम से इस मामले में सभी छह दोषी आरोपियों के खिलाफ आरोप दाखिल किए थे। इस मामले में तीन अन्य आरोपी, शकील, मोहम्मद मुस्तकीम और मोहम्मद मोईद (सभी लखनऊ निवासी), पहले ही शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराए जा चुके हैं, क्योंकि उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। एनआईए की जांच में सामने आया कि मिन्हाज को तौहीद और एक अन्य आरोपी आदिल नबी तेली उर्फ मूसा ने कट्टरपंथी बनाया था। इन तीनों ने मिलकर प्रतिबंधित अंसार गजवतुल हिंद (एजीएच) के लिए सदस्यों की भर्ती की साजिश रची थी। एजीएच भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) का एक मॉड्यूल है। मुसीरुद्दीन को भी मिन्हाज ने इस साजिश में शामिल किया था और उसने मिन्हाज के कहने पर 'बैयत' (निष्ठा की शपथ) भी ली थी। इस आतंकी साजिश का इरादा भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना था।

दवाइयों की खोज को आगे बढ़ाने में एआई निभाएगा बड़ी भूमिका, एक्सपर्ट्स का दावा

नई दिल्ली। दवाइयों की खोज को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बड़ी भूमिका निभाएगा। इससे सटीक उपयोग वाली दवाई हालिस करने और इनोवेशन के नेतृत्व वाले हेल्थकेयर इकोसिस्टम को बनाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से दी गई। फार्मा सेक्टर्स के लीडर्स ने मौजूदा प्रणालियों के मात्र डिजिटलीकरण के बजाय प्रक्रियाओं को नए सिरे से परिभाषित करने पर जोर दिया। उन्होंने एआई को व्यापक रूप से अपनाने के लिए मजबूत डेटा और टेक्नोलॉजी आधार की बढ़ते महत्व के बारे में बताया। नौवें 'इंडिया फार्मा 2026' के पहले दिन चार महत्वपूर्ण पूर्ण सत्र हुए, जिनमें नीति निर्माता, उद्योग जगत के लीडर्स, नियामक और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स भारत के फार्मास्युटिकल और लाइफ साइंस इकोसिस्टम के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक साथ एक मंच पर आए। उद्घाटन सत्र में नीतिगत उद्देश्यों और जमीनी क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

महिला आरक्षण लागू होने से भारतीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा: पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर की महिलाओं को एक भावपूर्ण पत्र लिखकर विधायी निकायों में महिला आरक्षण के महत्व पर जोर दिया और लंबे समय से लंबित सुधार पर तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया। अपने संदेश में उन्होंने लिखा, भारत भर की महिलाएं विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने की पहल की सराहना कर रही हैं। भारत की नारी शक्ति को मेरा यह पत्र दशकों से लंबित इस मुद्दे को लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

यह पत्र संसद के एक महत्वपूर्ण सत्र से ठीक पहले आया है, जहां सरकार महिला आरक्षण कानून से जुड़े संवैधानिक संशोधन को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 14 अप्रैल को लिखे अपने पत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने अंबेडकर को राष्ट्र निर्माण में मार्गदर्शक शक्ति बताया और कहा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से भारत आज भी प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि आज, 14 अप्रैल, भारत के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद करता हूं, जो आज भी हमारे मार्ग का मार्गदर्शन करती है।

अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिलाएं पहले से ही स्टार्टअप, विज्ञान, शिक्षा, कला, खेल और जमीनी स्तर के उद्यम जैसे कई क्षेत्रों में भारत की प्रगति को आकार दे रही हैं। उन्होंने भारत के बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य के प्रमाण के रूप में महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप के उदय, महिला एथलीटों की उपलब्धियों और स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदियों की सफलता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह बढ़ता योगदान स्वाभाविक रूप से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को मजबूत करता है।

कानून निर्माण में भागीदारी अनिवार्य

प्रधानमंत्री ने दृढ़तापूर्वक तर्क दिया कि भारत के भविष्य के विकास के लिए विधायिकाओं में महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लिखा, "यह अनिवार्य है कि हम हर संभव प्रयास करें इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बिल्कुल अनिवार्य है।

एशिया का सबसे लंबा वाइल्ड कॉरिडोर, पीएम मोदी ने दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे देश को किया समर्पित

प्रधानमंत्री मोदी का सहारनपुर में रोड शो

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार 14 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण दौरे के दौरान देहरादून में एक भव्य समारोह में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इसे विकास के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस ऐतिहासिक मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ उपस्थित रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ विकास की इस यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। मुझे याद है बाबा केदार के दर्शन के बाद मैंने कहा था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। आज यह सच साबित हो रहा है। डबल इंजन सरकार की नीतियों और यहां के लोगों के परिश्रम से यह युवा राज्य विकास के नए आयाम छू रहा है।'

रोड शो के बाद की डाट काली मंदिर में पूजा

उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:15 बजे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के ऊंचे खंड पर बने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने एक भव्य रोड शो भी किया, जहां उमड़े जनसैलाब ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद पीएम देहरादून स्थित डाट काली मंदिर पहुंचे और वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

प्रोजेक्ट की खासियत

करीब 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार यह 213 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर आधुनिक इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता एशिया का सबसे लंबा 12 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर और डाट काली मंदिर के पास बनी 340 मीटर लंबी सुरंग है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी महज 2.5 घंटे में पूरी की जा सकेगी, जिससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां भी तेज होंगी।

देहरादून में उत्सव जैसा माहौल

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पूरे देहरादून शहर में जबरदस्त उत्साह देखा गया। शहर के मुख्य चौराहों और रास्तों को प्रधानमंत्री मोदी, नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बड़े-बड़े पोस्टरों व झंडों से सजाया गया था।

राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के प्रयास प्रेरणादायक : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, "बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण में उनके प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उनका जीवन और कार्य पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा।"

माई लॉर्ड! खुली कोर्ट में सुनवाई करें...कपिल सिब्बल के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे खालिद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में 5 साल से ज्यादा समय से जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट उमर खालिद ने एक बार फिर से न्याय के लिए देश की सर्वोच्च अदालत का रुख किया है। खालिद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 जनवरी 2026 को उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका दायर की है। इस याचिका के माध्यम से उन्होंने ना केवल पिछले फैसले की समीक्षा की मांग की बल्कि एक महत्वपूर्ण प्रक्रियात्मक अनुरोध भी किया। उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने 13 सितंबर 2020 को गैर कानानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। तब से वे न्यायिक हिरासत में हैं। 13 अप्रैल 2026 को दायर अपनी ताजा याचिका में खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि उनकी पुनर्विचार याचिका पर इन चेंबर के बजाय ओपन कोर्ट यानी खुली अदालत में सुनवाई की जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने तर्क दिया किक क्योंकि यह मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लंबे समय तक जेल में रहने से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस पर खुली अदालत में बहस होना न्यायसंगत होगा। अदालत ने इस पर विचार करने और बुधवार या गुरुवार तक इसे सूचीबद्ध करने का संकेत दिया है। जनवरी 2026 का सुप्रीम कोर्ट का फैसला। इससे पहले 5 जनवरी को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने उमर खालिद और शजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थी।

सीएम ममता ने भाजपा को बताया 'बांग्ला-विरोधी जमींदार', कहा- कर रहे पूरे राज्य को बांटने की कोशिश

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दल को बांग्ला-विरोधी जमींदार बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के लोगों को बांटने और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी रैली का वीडियो साझा करते हुए बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान और बांकुड़ा के मतदाताओं से अपील की कि वे टीएमसी को लगातार चौथी बार सत्ता में लाएं। उन्होंने लिखा कि राज्य की जनता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और पिछले 15 वर्षों में जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मां-माटी-मानुष की साझी ताकत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि मेरे भाई-बहन मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान व बांकुड़ा ने मुझे प्यार और आशीर्वाद का ऋणी बना दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी मां-माटी-मानुष सरकार ऐतिहासिक चौथी बार वापसी करेगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ ताकतें पश्चिम बंगाल के लोगों को बांटने और अपमानित करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको वचन देती हूं कि जब तक मैं सांस ले रही हूं, इस धरती और इसके लोगों को कोई नुकसान नहीं होने दूंगी। मैं आखिरी दम तक बंगाल और यहां के हर व्यक्ति की रक्षा के लिए लड़ूंगी। ममता ने सभी जाति, धर्म, वर्ग और समुदाय के लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि वे बांग्ला-विरोधी जमींदारों के खिलाफ एक मजबूत दीवार बनकर खड़े हों। उन्होंने कहा कि जो लोग राज्य को बदनाम करने, लोकतांत्रिक अधिकार छीनने और जनता का शोषण करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें हराया जाएगा।

लखनऊ सहित कई शहरों को दहलाने की रची थी साजिश, तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की लखनऊ विशेष अदालत ने 2021 के अल-कायदा से जुड़े कट्टरपंथीकरण और भर्ती मामले में तीन आरोपियों को सजा सुनाई है। तीनों आरोपियों की पहचान लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के मुसीरुद्दीन उर्फ राजू और मिन्हाज अहमद उर्फ मिन्हाज तथा जम्मू-कश्मीर के बुडगाम जिले के तौहीद अहमद शाह उर्फ सोबू शाह के रूप में हुई है। तीनों को आईपीसी, असांवैधानिक पदार्थ अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया है। विशेष अदालत ने इन आरोपियों को पांच साल के कठोर कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की अलग-अलग सजाएं सुनाईं। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

'56 इंच के सीना वाले मुझसे आंखे नहीं मिला पाते'

पीएम मोदी पर गरम, ममता बनर्जी पर नरम...बंगाल चुनाव की पहली रैली में खूब बरसे राहुल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पहली बार रायगंज रैली करने पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर शुरू किया। राहुल गांधी ने कहा- देश में क्या हो रहा है वो आप बहुत अच्छी तरह समझते हैं। आज अंबेडकर जी को हम याद करते हैं। अंबेडकरजी, गांधीजी ने, नेहरूजी ने देश को संविधान दिया था। आज नफरती विचारधारा वाली बीजेपी और आरएसएस संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। संविधान को मिटाने की कोशिश हो रही है। ये लोग सीधे संविधान पर आक्रमण करने बजाय जहां संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने में जुटे हैं। जहां मौका मिलता है अपनी विचारधारा के लोगों को वहां बिठा रहे हैं। वोट चोरी करते

हैं। लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी ने कहा- 'हमने इस विचारधारा के खिलाफ कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ा यात्रा की। 4000KM हम चले और हमने एक ही नारा दिया- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। ये देश नफरत का देश नहीं है। ये देश मोहब्बत का देश है। हिंसा और बंटवारे से नहीं, देश एकता से चलेगा।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा- 'आजकल आपने नरेंद्र मोदी का चेहरा देखा है? हवा निकल गई है। आप देखो बंगाल में घूम रहे हैं। उनका चेहरा देखो ठीक से। वो मेरी आंख में आंख नहीं मिला सकते हैं। वो पार्लियामेंट हाउस में लोकसभा में डिबेट चल रही थी जो यूएस डील की है। आप लोगों ने एप्सन का नाम सुना है? आप जानते हो एप्सन कौन है? थोड़ा बता देता हूं। नरेंद्र मोदी जी भी सुन लें।' उन्होंने कहा कि एपस्टीन की अमेरिका में 35 लाख फाइलें बंद पड़ी हैं। उसमें हिंदुस्तान के मंत्रियों, बीजेपी के नेताओं के नाम हैं। उसमें नरेंद्र मोदी जी भी फंसे पड़े हुए हैं।

365 दिन में 100 ब्रह्मोस मिसाइल, भारत ने तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वो मिसाइल जिसने पाकिस्तान को दिन में चांद और रात में सूरज दिखा दिए थे। अब भारत की उसी खूंखार मिसाइल की बड़ी खबर सामने आ रही है और इस खबर को सुनकर पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मनों के पसीने छूट जाएंगे और एक घातक खूंखार मिसाइल है ब्रह्मोस। दरअसल खबर सामने आई है कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ में स्थित ब्रह्मोस प्लांट से अब ब्रह्मोस मिसाइलों की डिलीवरी शुरू हो चुकी है। लखनऊ में बना यह नया ब्रह्मोस प्लांट उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का एक हिस्सा है। जहां अक्टूबर 2025 में इस प्लांट से पहली बार चार ब्रह्मोस मिसाइलों का बैच तैयार हुआ था। अब इन मिसाइलों की डिलीवरी भी शुरू हो गई है। यह डिलीवरी तो सिर्फ एक शुरुआत है क्योंकि यह प्लांट हर साल करीब 80 से लेकर 100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाने की क्षमता रखता है। यानी कि हर साल भारतीय सेनाओं के पास पहुंचेंगी।

100 ब्रह्मोस मिसाइलें। अब बात करते हैं इन ब्रह्मोस मिसाइलों की खासियत की। तो आपको बता दें कि यह एक सुपर सोनिक क्रूज़ मिसाइल है। यानी कि आवाज की गति से कई गुना तेज उड़ती हैं और दुश्मनों को संभलने तक का मौका नहीं देती। जमीन, समुद्र और हवा तीनों ही जगहों से इस ब्रह्मोस मिसाइल को लॉन्च किया जा सकता है। और यही वजह है कि भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों के लिए यह एक बेहद अहम हथियार है। और इस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के होश फाकता कर दिए थे। पहले ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन मुख्य रूप से हैदराबाद और कुछ अन्य जगहों पर होता था। लेकिन अब लखनऊ में नया प्लांट होने से उत्पादन क्षमता और बढ़ गई है। जिसका सीधा फायदा तीनों ही सेनाओं को मिलेगा। जहां तीनों सेनाओं के पास मिसाइलें तेजी से पहुंचेंगी और सप्लाई चेन में भी मजबूती आएगी। सरकार का फोकस अब साफ-साफ आत्मनिर्भर भारत का है और इसी कड़ी में ब्रह्मोस मिसाइल में करीब 70% का लोकल कंटेंट इस्तेमाल हो रहा है।

यानी कि इन मिसाइलों को बनाने में 70% जो हिस्सा लग रहा है वो भारत से ही आता है। जो पहले काफी कम हुआ करता था। यानी अब भारत धीरे-धीरे रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी देशों पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। अगर हम बात करें आंकड़ों की तो वित्त वर्ष 2025 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पाद 1.5 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं रक्षा निर्यात भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है। 2025-26 में यह ₹38,000 करोड़ से भी ज्यादा हो चुका है। जो दिखाता है कि भारत सिर्फ अपनी जरूरतें ही नहीं पूरी कर रहा बल्कि दुनिया के दूसरे देशों को भी रक्षा उपकरण भेज रहा है। यानी कि भारत अब हथियार खरीदने वाला देश नहीं बल्कि उसे बेचने वाला देश बनना चाह रहा है। और इसी कड़ी में भारत आगे बढ़ रहा है। हालांकि एक सच्चाई यह भी है कि इस प्लांट की जो सालाना कैपेसिटी है 80 से लेकर 100 मिसाइल है। यह भी तीनों सेनाओं की जरूरतों के हिसाब से शायद कम हो और कुछ जरूरी पार्ट्स के लिए अभी भी विदेषों पर निर्भरता रखनी पड़ेगी। लेकिन फिर भी यह कदम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया गया एक बड़ा कदम है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में अपने बयान में साफ-साफ कहा है कि भारत बहुत जल्द रक्षा क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रहा है। जहां छोटी तो बड़ी कई तरह की फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं। जो एक ही लक्ष्य के साथ काम कर रही हैं। आत्मनिर्भर भारत रक्षा क्षेत्र में। कुल मिलाकर लखनऊ से शुरू हुई यह ब्रह्मोस डिलीवरी सिर्फ मिसाइलों की सप्लाई नहीं बल्कि भारत की बढ़ती ताकत और आत्मनिर्भरता का एक प्रतीक है। आने वाले समय में भारत की मिसाइल क्षमता को और मजबूत करेगी।

90 हिरासत में, 200 लोगों की हुई पहचान और 95% कंपनियां बंद... उग्र मजदूर आंदोलन के बाद नोएडा में कैसे हैं हालात?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में कल हुए प्रदर्शन और हिंसा के बाद आज नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में हालात काफी हद तक नियंत्रण में नजर आए। पुलिस और प्रशासन की सख्ती के चलते शहर में शांति बनी हुई है। दूसरी ओर सरकार ने मजदूरों की मांगों पर बड़ा फैसला लेते हुए न्यूनतम वेतन में 3000 तक की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी को 1 अप्रैल 2026 से लागू भी कर दिया गया है। इस फैसले को आंदोलन के बीच एक अहम कदम माना जा रहा है।

कल के बवाल को देखते हुए आज सुबह से ही नोएडा के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र फेस-2, सेक्टर 63, सेक्टर 58 और ईकोटेक थर्ड में भारी पुलिस बल कंपनियों के बाहर तैनात

कर दिया गया है। मुख्य सड़कों और चौराहों पर पुलिस की तैनाती की गई है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है ताकि दोबारा किसी तरह की हिंसा न हो। पुलिस लगातार गश्त कर रही है और अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

90 से ज्यादा हिरासत में, 200 लोग की हुई पहचान

हिंसा के बाद पुलिस ने सोमवार रात में 30 लोगों को हिरासत में लिया, जबकि 60 लोग पहले से ही हिरासत में थे। इसके अलावा, 200 लोगों की पहचान हुई है। इनमें वे लोग शामिल हैं जो पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं में शामिल थे। इसके अलावा कई अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और सीसीटीवी के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी रहेगी। सुरक्षा कारणों से कल ही प्रशासन की तरफ से यह ऐलान कर दिया गया था कि जिलेभर में सभी कंपनियां बंद रहेंगी और औद्योगिक क्षेत्र में आज लगभग काम ठप रहा। प्रदर्शन को देखते हुए कई कंपनियों ने एहतियातन कर्मचारियों को छुट्टी दे दी, जबकि कुछ जगहों पर सीमित कामकाज हुआ। इससे उत्पादन पर भी असर पड़ा।

कुछ मजदूर फिर निकले, लेकिन...

आज फिर कुछ मजदूर अपने घरों से प्रदर्शन के लिए निकलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के चलते उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। जहां भी भीड़ इकट्ठा हुई, पुलिस ने तुरंत पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया। नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने लोगों से अपील की है कि कोई भी श्रमिक किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दे। उन्होंने कहा कि सरकार ने मजदूरों की मांगों को गंभीरता से लिया है और कई मांगों पर फैसला भी किया है। बाकी मुद्दों पर भी बातचीत जारी है और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। कुल मिलाकर नोएडा में कल के बवाल के बाद आज हालात नियंत्रण में हैं। भारी पुलिस तैनाती और प्रशासन की सक्रियता से स्थिति सामान्य बनी हुई है।

सरकार ने वेतन बढ़ाया

मजदूरों के विरोध के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। न्यूनतम वेतन में 3000 तक की बढ़ोतरी कर दी गई है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू कर दी गई है। यह फैसला मजदूरों की प्रमुख मांगों में शामिल था और इस आंदोलन को शांत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इससे हजारों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्थिति को पूरी तरह सामान्य करने के लिए प्रशासन ने संवाद का रास्ता अपनाया है। करीब 70 कंपनियों के श्रमिकों को बातचीत के लिए बुलाया गया है, ताकि उनकी बाकी मांगों पर चर्चा की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के जरिए ही स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

फेस-2 और अन्य इलाकों में हालात सामान्य

आज नोएडा के फेस-2 इलाके में स्थिति सामान्य रही, जहां कल सैकड़ों की संख्या में श्रमिक प्रदर्शन कर रहे थे। वहीं आज कंपनियों के बाहर हालात सामान्य नजर आए। सड़कों पर ट्रैफिक चलता नजर आया और लोगों को राहत मिली। भंगेल एलिवेटेड रोड पर भी ट्रैफिक सामान्य रहा, जिससे रोजाना आने-जाने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। कल जहां शहर में ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो गया था, वहीं आज स्थिति बेहतर रही। हालांकि एहतियातन तौर पर कई जगहों पर अभी भी रूट डायवर्जन लागू किया गया है, ताकि भीड़ को नियंत्रित रखा जा सके। वहीं आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के चलते भी शहर में पुलिस की सतर्कता बढ़ाई गई है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अमहट में टीएमटी चैम्प्स प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मंगलवार को तौहीदुल मुस्लमीन ट्रस्ट लखनऊ द्वारा संचालित कक्षा चार से ग्यारह तक के छात्र छात्राओं का चैम्प्स परीक्षा का आयोजन हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुलतानपुर के सुपरविजन में हुसैनिया नौ तामीर अमहट सुलतानपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता परीक्षा के लिए हैदर अब्बास खान को सुलतानपुर का परीक्षा इंचार्ज बनाया गया है यह कार्यक्रम उनके कुशल नेतृत्व में 4वर्ष से हो रहा है। उक्त परीक्षा में अफजाल हुसैन लखनऊ की तरफ से आब्जर्वर बनाकर भेजे गये थे इस चैम्प्स परीक्षा में कुल 150 छात्र छात्राओं ने आनलाइन फार्म भरा था जिसमें से 139 ने परीक्षा दिया। उक्त परीक्षा को सफल बनाने में नकी अब्बास खान हसन अली खान कमर अब्बास खान मौलाना आसिफ नकवी फात्मा बेगम अनकबूत जहरा मंतशाबुतूल जहीन फात्मा ने सराहनीय योगदान दिया। इस परीक्षा का उद्देश्य छात्रों को टैलेंटेड बनानाउनकी खूबियों को उभारना और उन्हें जागरूक बनाना जो स्टूडेन्ट्स जनपद में अच्छे नंबर पाते हैं उनको पुरस्कृत कर हर साल सम्मानित किया जाता है इस की जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुलतानपुर ने दी है।

बाबा साहब की जयंती के अवसर पर नि :शुल्क पाठशाला का उद्घाटन

सुलतानपुर। विकास खंड जयसिंहपुर के बहाउद्दीनपुर में मोस्ट डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरूजी" ने निःशुल्क मोस्ट पाठशाला का उद्घाटन किया, जिसका संचालन मनीषा निषाद तथा संरक्षण संदीप निषाद द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मोस्ट डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरूजी" ने कहा कि गांव में पढ़ाई का माहौल नहीं है, का तर्क देकर संपन्न लोग अपने बच्चों को शहर या कांवेंट भेज रहे हैं किंतु हम मोस्ट के लोग पिछड़े क्षेत्रों में निःशुल्क मोस्ट पाठशाला के माध्यम से गांव में शिक्षा का माहौल ठीक करना चाहते हैं। उक्त अवसर पर मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, संयोजक जयसिंहपुर विवेक निषाद, मोस्ट महिला विंग जिला प्रमुख नंदनी बौद्ध, सह संयोजक राधा निषाद, जिला सचिव गायत्री निषाद, सुनील निषाद, रामजीत निषाद, फ़ूलचंद्र निषाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

किराए की दुल्हन, फर्जी इंस्पेक्टर और हिस्ट्रीशीटर ने फिल्मी स्टाइल में बना डाली थी पूरी टीम, फिर दूल्हों को ऐसे बनाता शिकार

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से अपराध की एक ऐसी कहानी सामने आई है जिसे सुनकर फिल्मी पटकथा भी फीकी लगने लगे। यहां के एक शातिर हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह ने पैसे कमाने के लिए खाकी और शादी का ऐसा कॉकटेल तैयार किया कि राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार इसकी चपेट में आ गए। पुलिस ने इस गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि लुटेरी दुल्हन अब भी फरार है।

इस गिरोह का मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह है। उसने लूट की योजना को अंजाम देने के लिए खुद फर्जी इंस्पेक्टर की वर्दी पहनी और अपने चार साथियों को बाकायदा ट्रेनिंग देकर हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल बना दिया। यह गिरोह पूरी तरह प्रोफेशनल तरीके से काम करता था ताकि किसी को शक न हो।

हरियाणा से दूल्हा और यूपी से दुल्हन

इस गिरोह ने हरियाणा के एक दलाल राजू शर्मा को अपने साथ जोड़ा था। राजू का काम हरियाणा और राजस्थान में ऐसे अधिक उम्र के कुंवारे लड़कों को खोजना था जिनकी शादी नहीं हो पा रही थी। उन्हें यूपी और बिहार में अच्छी लड़कियों से शादी कराने का झांसा देकर गोरखपुर लाया जाता था।

लूट का तरीका

नाचने-गाने वाली लड़कियों को पैसों का लालच देकर दुल्हन बनाया जाता था और गिरोह की ही एक महिला मौसी का किरदार निभाती थी। जब दूल्हा और उसका परिवार चिलुआताल स्थित अंकुर सिंह के घर पहुंचते, तो बाकायदा जयमाल की रस्म कराई जाती ताकि विश्वास पक्का हो सके। जयमाल होते ही अंकुर सिंह अपनी फर्जी पुलिस टीम के साथ इंस्पेक्टर बनकर एंट्री करता था। वह दूल्हे और उसके परिवार को अवैध शादी या अन्य फर्जी आरोपों में फंसाने की धमकी देकर डराता था और लाखों रुपये वसूल कर लेता था।

फतेहपुर की लुटेरी दुल्हन की तलाश

राजस्थान के एक पीड़ित युवक की शिकायत पर जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो इस गैंग का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस की जांच में सामने आया है कि फरार दुल्हन फतेहपुर की रहने वाली है और गोरखपुर के कूड़ाघाट में किराए पर रहती थी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह कमरा छोड़कर फरार हो गई। पुलिस की एक टीम उसे पकड़ने के लिए फतेहपुर रवाना हो गई है।

एसपी नॉर्थ का बयान

एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि इस गिरोह के सात सदस्यों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने परिवारों को अपना शिकार बनाया है। लुटेरी दुल्हन की गिरफ्तारी के लिए मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर दबिश दी जा रही है।

42 लाख की लागत से सुलतानपुर के शमशान घाट का कायाकल्प

सुल्तानपुर।। नगर पालिका परिषद द्वारा जनहित में एक बड़ी पहल करते हुए वार्ड सीताकुण्ड स्थित शमशान घाट का भव्य जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कराया गया। आज 14 अप्रैल 2026 को पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सीताशरण त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में इसका लोकार्पण किया। पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि लगभग 42 लाख रुपये की लागत से इस पुराने और जर्जर शमशान घाट को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। अब यहां आने वाले लोगों को बेहतर और सम्मानजनक सुविधाएं मिलेंगी। इस नवीनीकरण कार्य के तहत नए सीढ़ीयुक्त घाट का निर्माण, भगवान भोलेनाथ प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण, शेड एवं अन्त्येष्टि स्थल का पुनरोद्धार, स्नान घर का निर्माण, आरओ युक्त वाटर कूलर की व्यवस्था इतना ही नहीं, नगर पालिका द्वारा विद्युत संचालित मानव शवदाह गृह का प्रस्ताव भी रखा गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया डॉ. भीमराव अंबेडकर का 135वां जन्मोत्सव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अंबेडकर पार्क में विश्व रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 135वां जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और श्रद्धा के साथ मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी उदय प्रताप ने शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बाबा साहब मात्र भारतीय नेता नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए ज्ञान के अप्रतिम प्रतीक हैं और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग व विचारों को आत्मसात करने वाला व्यक्ति निश्चित ही सफलता के आसमान को छू सकता है। इस अवसर पर डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पारसनाथ ने बाबा साहब के क्रांतिकारी विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला, वहीं सब इंस्पेक्टर हरिश्चंद्र ने आम नागरिकों को भारतीय संविधान में प्रदत्त उनके मौलिक अधिकारों एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक किया। समाजिक सरोकारों और जनसेवा को समर्पित इस भव्य आयोजन में सावित्री हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. जे. एल. भारती द्वारा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया और आगंतुकों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई, जबकि शुभांगी हॉस्पिटल के सर्जन डॉ. राजेश गौतम द्वारा अप्रैल माह में आयोजित होने वाले निशुल्क ऑपरेशन शिविर हेतु मरीजों का पंजीकरण किया गया। कार्यक्रम की आध्यात्मिक महत्ता को बढ़ाते हुए जिला कार्य अध्यक्ष शिवनाथ बौद्ध द्वारा उपस्थित जनसमूह को बुद्ध धम्म के अनुसार त्रिशरण, पंचशील का संकल्प कराया गया। जयंती के इस उपलक्ष्य में सुल्तानपुर जनपद के विभिन्न अंचलों से 200 से अधिक भव्य शोभा यात्राएं व जयंतियां गाजे-बाजे के साथ निकलीं, जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचीं, जिससे पूरा नगर 'जय भीम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। अंबेडकर कल्याण समिति और 'दी बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गौरवशाली कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गौतम और धर्मराज बौद्ध की देखरेख में हजारों की संख्या में जनसैलाब उमड़ा। इस ऐतिहासिक अवसर पर एडवोकेट कर्मेंद्र गौतम, विजय गौतम, डॉ. जयभीम, डॉ. सुरेश कुमार, रामफेर राव, हौसला भीम, एड. रामकृपाल, श्याम बहादुर बौद्ध, दयाराम बौद्ध, रामसेवक, धर्मराज बौद्ध, गया प्रसाद, डॉ. सुभाष, डॉ. राजकरन, आकांक्षा बौद्ध, राम मूरत, राधेश्याम बौद्ध, मुरारी कोरी, मेवालाल भारती, धीरेंद्र राव, सीताराम भीम, संतराम कनौजिया और कमलेश कुमार सहित जनपद के तमाम गणमान्य व्यक्ति, प्रबुद्ध वर्ग और भारी संख्या में अनुयायी उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावांजलि दी।

आरोग्य मंदिर है बदहाल, यहां उपचार तो दूर रास्ता भी खराब, आसपास गंदगी का अंबार और सुविधाएं भी नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। सरकार एक ओर स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना पर करोड़ों खर्च कर रही है, लेकिन चंदपा क्षेत्र के गांव मीतई स्थित आयुषमान आरोग्य मंदिर की बदहाली उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर रही है। यहां मरीजों को उपचार मिलना तो दूर की बात है, यहां तक पहुंचने का रास्ता ही खराब पड़ा है।

नगर पालिका क्षेत्र का हिस्सा बनने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि ग्राम पंचायत का बुनियादी ढांचा सुधरेगा, लेकिन हालात इसके उलट हैं। आरोग्य मंदिर तक पहुंचने का मार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। ऊबड़-खाबड़ और कीचड़युक्त रास्ते के कारण मरीजों विशेषकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को केंद्र तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। बारिश के दिनों में तो यह रास्ता चलने लायक भी नहीं बचता। आरोग्य

मंदिर के चारों ओर गंदगी का अंबार है। जलभराव और झाड़ियों के कारण आए दिन परिसर में जहरीले कीड़े निकलते रहते हैं, जिससे हर समय खतरा बना रहता है।

न पानी, न शौचालय की सुविधा

हैरानी की बात यह है कि एक स्वास्थ्य केंद्र होने के बावजूद यहां पीने के पानी और शौचालय जैसी अनिवार्य सुविधाओं का अभाव है। केंद्र पर प्रतिदिन 20 से 25 महिलाएं उपचार के लिए आती हैं, जिन्हें पानी के लिए अपने घर से बोतलें साथ लानी पड़ती हैं। शौचालय की सुविधा न होना उनके लिए सबसे बड़ी समस्या है।

एक सीएचओ से चल रहा केंद्र

स्वास्थ्य विभाग स्टाफ की कमी से जूझ रहा है, इसलिए एएनएम को ही छह-छह माह का प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें सीएचओ बना दिया गया है। यहां एकमात्र सीएचओ अंजली दीक्षित तैनात हैं। वह ही केंद्र खोलती व बंद करती हैं। परामर्श व दवाएं देने का काम भी इन्हीं का है। इस कारण भी मरीजों को समस्या का सामना करना पड़ता है।

एक ही कमरे का स्वास्थ्य केंद्र हैं, जहां केवल एक सीएचओ की तैनाती है। सर्दी-जुकाम जैसी आम समस्या में ही परामर्श मिल पाता है। अन्य सुविधाओं के लिए जिला अस्पताल जाना पड़ता है।

-वेदप्रकाश शर्मा, मीतई

स्वास्थ्य सेवाएं केवल नाम की हैं, केंद्र का जीर्णोद्धार तक नहीं हुआ। आसपास झाड़ियां हैं और रास्ता साफ नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना ही चुनौतीपूर्ण होता है। दोपहर दो बजे के बाद मीतई में स्वास्थ्य सेवाएं नहीं हैं।

-सुधीर निवासी मीतई

जिन स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के रास्ते खराब हैं, उन्हें ठीक कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए संबंधित विभागों से संपर्क किया जा रहा है। आरोग्य मंदिरों में स्वास्थ्य संबंधी समुचित व्यवस्थाएं हैं।

-डा. राजीव रॉय, सीएमओ

मीतई नगर पालिका की सीमा में शामिल हो चुका है। जलभराव व गंदगी की समस्या को जल्द दूर कराया जाएगा।

-रोहित सिंह, ईओ नगर पालिका परिषद हाथरस।

नोएडा में मजदूरों का उग्र आंदोलन, अब तक कितना हुआ नुकसान?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन ने शहर को गहरे नुकसान की स्थिति में ला खड़ा कर दिया है। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा, जिसके चलते न सिर्फ कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों पर भी गंभीर असर पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम में बड़ी संख्या में वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और सैकड़ों फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं।

प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा असर सड़कों पर खड़े और गुजर रहे वाहनों पर देखने को मिला। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक करीब 150 वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। इनमें लगभग 100 चार पहिया वाहन शामिल हैं, जिनमें कार और कुछ छोटे कमर्शियल वाहन भी हैं। वहीं करीब 50 दोपहिया वाहनों को भी भीड़ ने निशाना बनाया।

कई जगहों पर वाहनों में आग

लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर खाक हो गए। वहीं कई वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए, बॉडी को नुकसान पहुंचाया गया और उन्हें पलट दिया गया। इस तरह की घटनाओं से आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़

इस हिंसा का सबसे बड़ा असर औद्योगिक क्षेत्र पर पड़ा। जानकारी के मुताबिक करीब 300 फैक्ट्रियों और औद्योगिक इकाइयों में तोड़फोड़ की गई। कई जगह प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री गेट तोड़े, ऑफिस के शीशे फोड़े और अंदर घुसकर मशीनों व अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। कुछ जगहों पर शोरूम और सर्विस सेंटर भी निशाने पर रहे, जहां खड़ी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इससे उद्योगपतियों और व्यापारियों को भारी आर्थिक झटका लगा है। इतने बड़े पैमाने पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि हिंसा में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

फैक्ट्रियों के इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और स्टॉक को जो नुकसान पहुंचा है, उसका आकलन अभी किया जा रहा है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स इसे बेहद गंभीर आर्थिक क्षति बता रही हैं। उद्योग संगठनों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से निवेश पर भी असर पड़ता है और क्षेत्र की औद्योगिक छवि को नुकसान पहुंचता है।

कहां-कहां हुआ सबसे ज्यादा नुकसान?

नोएडा के कई औद्योगिक क्षेत्र इस हिंसा से प्रभावित हुए। खासतौर पर फेस-2, सेक्टर 63, 57, 58, 62 और ईकोटेक थर्ड के क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा किया। कई जगह सड़कों पर जाम लगाया गया और पुलिस के साथ भी टकराव की स्थिति बनी।

सेक्टर 63 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि थाने पर भी पथराव किया गया। इसके अलावा कई इंडसट्रियल एरिया में कंपनियों के बाहर खड़ी गाड़ियों और संपत्तियों को निशाना बनाया गया।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखी गई। अब तक 90 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है, जबकि 300 लोगों की पहचान की जा रही है। साथ ही सरकार ने श्रमिकों की कुछ मांगों को मानते हुए न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी का फैसला भी लिया है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के जरिए ही स्थायी समाधान निकाला जाएगा और किसी भी तरह की हिंसा से सिर्फ नुकसान ही होता है। सरकार और प्रशासन की अपील

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन लगातार श्रमिकों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। साथ ही आज ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में श्रमिकों को बातचीत के लिए बुलाया गया है, ताकि स्थायी समाधान निकाला जाए और किसी भी तरह की हिंसा को रोका जा सके। नोएडा में हुआ यह उग्र प्रदर्शन न सिर्फ कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बना, बल्कि इसने औद्योगिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। 150 से ज्यादा वाहनों और 300 से अधिक फैक्ट्रियों को नुकसान पहुंचना इस बात का संकेत है कि स्थिति कितनी गंभीर थी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि प्रशासन कितनी तेजी से हालात को पूरी तरह सामान्य कर पाता है।

श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज में बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर जयंती का भव्य आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

कलान/सुल्तानपुर। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज कलान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लगभग पाँच किलोमीटर लंबी जन जागरण रैली से हुई।

रैली की अगुआई बाबा साहेब अम्बेडकर, चंद्र शेखर आजाद, महात्मा गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिकृतियों में सजे उत्साही बच्चों ने की। विद्यालय से प्रारंभ होकर रैली रायपुर, बीबीगंज, दनापुर तथा कलान के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए जन-जागरण का संदेश देते हुए वापस विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। रैली में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभाग किया। रैली के उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष सिंह, श्री संतोष त्रिपाठी, श्री ओम प्रकाश दिनकर सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। उन्होंने बाबा साहेब के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व तथा सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह के समापन पर सभी बच्चों में मिष्ठान्न वितरित किया गया। यह आयोजन विद्यालय परिवार द्वारा बाबा साहेब के आदर्शों को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा।

स्टेट गेस्ट हाउस में महिलाओं के साथ बर्बर व्यवहार कर सपा ने दिखाया वास्तविक चरित्र: सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा ने स्टेट गेस्ट हाउस में महिलाओं के साथ बर्बर व्यवहार कर अपना वास्तविक चरित्र दिखाया था। कांग्रेस ने बाबा साहब को चुनाव से वंचित रखने का प्रयास किया। उन्हें भारत रत्न न मिले, इसका षडयंत्र रचा। संविधान की प्रति लेकर घूमने वाली कांग्रेस की असलियत समझने की आवश्यकता है।

सीएम ने मंगलवार को राजधानी स्थित डॉ. आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन और 75 जिलों में स्थापित बाबा साहब की 75 मूर्तियों के सौंदर्यीकरण व संरक्षण कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने हजरतगंज स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सीएम ने कहा कि दलितों के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले बताएं कि बाबा साहब के नाम पर उन्होंने क्या किया। सब जानते हैं कि कौन मुख्यमंत्री बनने पर दलित महापुरुषों के स्मारक तोड़ने की धमकी देता था। जाति के नाम पर समाज को बांटने वाली ताकतें बताएं कि जब बांग्लादेश में दलित नौजवान को जलाया जा रहा था तो उनका मुंह क्यों सिला था। हर दलित-वंचित, गरीब, महिला को रोशनी बाबा साहब ने ही दिखाई थी। कुछ स्वार्थी ताकतें फिर से उनके नाम और काम को हड़पने के लिए याद करने का नाटक कर रही हैं। इस अवसर पर आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष एवं एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल, मंत्री बेबी रानी मौर्य, असीम अरुण, सांसद ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, आंबेडकर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सरोज, महामंत्री अमरनाथ प्रजापति, कोषाध्यक्ष डॉ. सत्या दोहरे की मौजूदगी रही।

सपा ने नाम क्यों बदले

सीएम ने कहा कि सपा से पूछा जाना चाहिए कि उसने दलित महापुरुषों के नाम पर बने जिलों, केजीएमयू, भाषा विश्वविद्यालय व कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम क्यों बदला। दलितों-वंचितों व गरीबों के हक पर किसने डकैती डाली, किसने दलितों-वंचितों को भूमि पट्टे के अधिकार से वंचित किया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय योजना पर ब्रेक लगाया और प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू नहीं होने दिया। दरअसल, ये लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए। दलितों, वंचितों, गरीबों की पीड़ा कभी नहीं देखी। सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने वाले हर महापुरुष को हम सम्मान देंगे। यह कार्यक्रम इसलिए हो रहा है कि महापुरुषों की मूर्तियां सुरक्षित रहें। हमारी सरकार ने गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी, बदायूं में अवंती बाई लोधी और लखनऊ में ऊदा देवी पासी के नाम पर पीएसी बटालियन बनाई। सरकार सुनिश्चित कराएगी कि गांव के सामुदायिक शौचालय की स्वच्छता से जुड़ी बहनों को समय पर मानदेय मिले।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन व हुड़दंगई के खिलाफ लखनऊ पुलिस का विशेष अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देश पर लखनऊ पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन एवं हुड़दंगई के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 106 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 2339 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें 411 व्यक्तियों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किए गए।पुलिस के अनुसार, 13 अप्रैल 2026 को रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण तथा सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में यह विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, अपराधों की रोकथाम करना तथा सार्वजनिक शांति एवं सौहार्द बनाए रखना रहा। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थानों, दुकानों के बाहर खुले में बैठकर शराब पीने वाले व्यक्तियों, शराब पीकर हुड़दंग करने वालों तथा राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और आमजन को असुविधा पहुंचाने वाले लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। साथ ही सभी संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियां न करने की कड़ी चेतावनी भी दी गई।जोनवार कार्रवाई में उत्तरी जोन में 20 स्थानों पर 383 व्यक्तियों की जांच कर 114 लोगों के चालान किए गए। दक्षिणी जोन में 22 स्थानों पर 506 व्यक्तियों की जांच में 51 लोगों पर कार्रवाई हुई। पूर्वी जोन में 23 स्थानों पर 663 व्यक्तियों की जांच के दौरान 86 लोगों के चालान किए गए, जबकि पश्चिमी जोन में 23 स्थानों पर 539 व्यक्तियों की जांच में 115 लोगों पर कार्रवाई की गई। मध्य जोन में 18 स्थानों पर 248 व्यक्तियों की जांच कर 45 लोगों के चालान किए गए।पुलिस द्वारा गोपालपुरवा, पेपर मिल रोड, रिंग रोड, मोतीनगर, राजेन्द्र नगर, कल्ली पश्चिमी, जगतखेड़ा मोड़, सलेमपुर, 60 फीटा रोड, इंजीनियरिंग चौराहा, मिर्जागंज चौराहा, तिवारीगंज, गीतापुरी मार्केट, खरगापुर चौराहा और हुसड़िया सहित कई भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर विशेष चेकिंग की गई।

संभव" प्रणाली से ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा ने की व्यापक जनसुनवाई, कई अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने देर रात जनपद मऊ के बहुउद्देशीय भवन मंगलम में "संभव" ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली के माध्यम से व्यापक जनसुनवाई कर पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस जनसुनवाई में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े 100 से अधिक शिकायतकर्ताओं एवं उपभोक्ताओं ने सीधे मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, जिनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।संभव" प्रणाली के माध्यम से शिकायतकर्ता और अधिकारी आमने-सामने जुड़ते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ने के साथ समस्याओं के समाधान में होने वाला अनावश्यक विलंब समाप्त होता है। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जनसुनवाई के दौरान कई गंभीर मामलों में त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बाराबंकी में अत्यधिक राशि का गलत एस्टीमेट बनाए जाने के मामले में संबंधित लाइनमैन को हटाने, जेई को तत्काल निलंबित करने तथा अधिशासी अभियंता के विरुद्ध नियम 10 के तहत कार्रवाई एवं स्थानांतरण के निर्देश दिए गए। आजमगढ़, बरेली, आगरा सहित अन्य जनपदों में भी दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।महाराजगंज में एस्टीमेट जमा करने के बावजूद विद्युत कनेक्शन न देने पर संबंधित अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। वहीं बरेली और मेरठ के मामलों में उपभोक्ताओं को समयबद्ध सेवाएं देने को विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी बताया गया। वाराणसी के वरिष्ठ पत्रकार राजेश राय के प्रकरण में विधिक राय लेकर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए, जबकि उन्नाव में स्मार्ट मीटर से संबंधित बिलिंग समस्या पर विशेष ध्यान देते हुए सभी उपभोक्ताओं को सही और समय पर बिल उपलब्ध कराने को कहा गया।ऊर्जा मंत्री ने झांसी, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर एवं मथुरा की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और ठोस सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मथुरा जैसे धार्मिक एवं आस्था केंद्रों पर बिजली व्यवस्था निर्बाध एवं व्यवस्थित रहनी चाहिए।जनसुनवाई के समापन पर ए.के. शर्मा ने ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, शाम के समय अनावश्यक कटौती पूर्णतः बंद रखने तथा स्मार्ट मीटर से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

अम्बेडकर जयंती पर बीएसपी प्रमुख मायावती ने दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मायावती ने सभी लोगों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।जारी प्रेस विज्ञप्ति में मायावती ने अपने संदेश में कहा कि देश में सत्ता में सामंती एवं जातिवादी सोच तथा अन्याय और शोषणकारी तत्वों के प्रभाव के कारण बाबा साहेब का सर्वजन-हितैषी एवं बहुजन-कल्याणकारी संविधान अपने मूल उद्देश्यों को पूरी तरह प्राप्त नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसा अनुपम संविधान होने के बावजूद करोड़ों बहुजन परिवार आज भी गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष और असमानता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सके हैं, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।मायावती ने कहा कि अम्बेडकर जयंती के अवसर पर बहुजन समाज की सुरक्षा, सम्मान और विकास का आकलन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति को लागू करने के लिए उनके सिद्धांतों पर चलने वाली सरकारों की आवश्यकता है।इस अवसर पर लखनऊ स्थित बीएसपी के केंद्रीय कैम्प कार्यालय 9 माल एवेन्यू में मायावती ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के प्रयासों से ही देश के उपेक्षित और वंचित वर्गों को आत्मसम्मान तथा प्रत्येक नागरिक को एक वोट के समान अधिकार का संवैधानिक हक प्राप्त हुआ, जिसके लिए देश सदैव उनका कृतज्ञ रहेगा।

○ संक्षेप ○

बैसाखी पर्व पर अखिलेश यादव ने गुरुद्वारा सदर में माथा टेका, संगत को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बैसाखी पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा सदर लखनऊ पहुंचकर दरबार साहिब के समक्ष माथा टेका और कड़ा प्रसाद की डेग का प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि जिसके कर्म अच्छे होते हैं, वही वास्तव में बड़ा होता है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त विषमता और विपन्नता को समाप्त करने के लिए गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को समानता और साहस का संदेश दिया था।गुरुद्वारा पहुंचने पर सरदार तेजिंदर सिंह विर्क तथा सरदार देवेन्द्र सिंह खालसा ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में पूजा शुक्ला, पूजा शुक्ला भसीन, संतोष रावत, देवेन्द्र सिंह जीतू, नरेन्द्र सिंह छाबड़ा, फखरूल हसन चांद, दीपक रंजन, संदीप सैनी, शकील नदवी, रंजीत चौधरी, पवन मनोचा, अमित सक्सेना, अभिषेक बाजपेयी, ज्योति यादव सहित देवेन्द्र सिंह खालसा, सुरेन्द्र सिंह फलौदिया, महेन्द्र सिंह लक्की सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि पर चला बुलडोजर, 10 करोड़ की जमीन अतिक्रमण से मुक्त

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम सरसवां, तहसील सरोजनी नगर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के दौरान अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया।यह कार्रवाई अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुई। सहायक नगर आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) रामेश्वर प्रसाद तथा तहसीलदार नगर निगम लखनऊ अरविन्द पाण्डेय द्वारा गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे अभियान को अंजाम दिया। टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार तेजस्वी प्रकाश ने किया।अधिकारियों के अनुसार ग्राम सरसवां स्थित गाटा संख्या 839 (0.204 हे0), 842 (0.239 हे0), 843 मि (0.204 हे0) तथा 1018 मि (0.161 हे0) की भूमि राजस्व अभिलेखों में क्रमशः नवीन परती, बंजर एवं नदी के रूप में दर्ज है। इन शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से बाउंड्रीवाल बनाकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका थी।सूचना मिलने पर नगर निगम लखनऊ की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की।

प्रदेश में प्रचंड गर्मी का दौर शुरू, पांच जिलों में पारा 40 डिग्री के हुआ पार, यह जिला रहा सबसे गर्म

लखनऊ। यूपी में चल रही गर्म पछुआ हवाओं के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी आई है। मंगलवार को प्रदेश के पांच जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। बुंदेलखंड सतेत प्रदेश के दक्षिणी जिलों में दोपहर में जबरदस्त गर्मी और तपिश महसूस की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार-पांच दिनों तक फिलहाल गर्मी लगातार बढ़ती रहेगी। कई जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मंगलवार को बांदा 42.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। वहीं झांसी, प्रयागराज, वाराणसी और सुल्तानपुर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। बांदा में रात का तापमान 27.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सबसे अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र में बने प्रति चक्रवात के मध्य भारत की ओर खिसकने से प्रदेश भर में तापमान में एक हफ्ते में 3 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी संभावित है। आने वाले दिनों में तराई व कुछ जिलों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

आम आदमी पार्टी ने मनाई डॉ . भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ।आम आदमी पार्टी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक स्तर पर विचार गोष्ठी, माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लेकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे बड़ा हथियार बताया और समाज को संगठित एवं जागरूक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब तक समाज शिक्षित नहीं होगा, तब तक समानता और अधिकार की लड़ाई अधूरी रहेगी। उन्होंने बाबा साहेब के कथन "शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो जितना पियेगा उतना दहाड़ेगा" का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर बाबा साहेब के सपनों को साकार करने का प्रयास किया है और इस मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल ने कहा कि बाबा साहेब का "शिक्षित बनो, संगठित रहो" का संदेश आज भी समाज को आगे बढ़ाने का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि संविधान के माध्यम से बाबा साहेब ने महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों को बराबरी का अधिकार दिलाया।

25 हजार का इनामिया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, 8 लाख रुपये की ज्वैलरी व नगदी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना कृष्णानगर पुलिस एवं सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी टीम ने लूट व चोरी की घटनाओं में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में ज्वैलरी एवं नगदी बरामद की है। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 14 फरवरी 2026, 6 मार्च 2026 तथा 19 मार्च 2026 को थाना कृष्णानगर क्षेत्र में अलग-अलग वादियों द्वारा घर में घुसकर चोरी किए जाने की घटनाओं के संबंध में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इन मामलों में अज्ञात चोरों द्वारा घरों से जेवरात व नगदी चोरी की गई थी।जांच के दौरान प्रकाश में आए एक अभियुक्त शुभम सोनी को 21 मार्च 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। वहीं दूसरे अभियुक्त विपिन पुत्र गंगाराम को 11 अप्रैल 2026 को डूडा कॉलोनी आशाराम बापू मार्ग पर चेकिंग के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ के बाद आत्मसमर्पण करने पर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा अभियुक्त कुलदीप यादव पुत्र रमेश यादव निवासी निजामपुर मल्हौर पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वांछित चल रहे इस अभियुक्त को तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर 14 अप्रैल 2026 को केसरी खेड़ा रेलवे लाइन के पास रामबाबू यादव की जमीन में बनी झोपड़ी से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त कुलदीप यादव की उम्र लगभग 37 वर्ष बताई जा रही है। उसके विरुद्ध थाना कृष्णानगर एवं पीजीआई में चोरी सहित विभिन्न धाराओं में कुल सात मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक जोड़ी बिछिया, चार कंगन, चार अंगूठियां, दो नोज रिंग, एक जोड़ी झुमकी, एक जोड़ी कान की बाली, एक लॉकेट, एक नथिनी, एक हार, एक मंगलसूत्र तथा दस रुपये के 93 नोटों की गड्डी बरामद की है। बरामद ज्वैलरी की अनुमानित कीमत लगभग आठ लाख रुपये बताई गई है।यह गिरफ्तारी थाना कृष्णानगर पुलिस एवं सर्विलांस टीम, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी, कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देशन में की गई।

बीबीएयू में चार दिवसीय अम्बेडकर जयंती समारोह का समापन, 'उद्यमिता से समावेशी विकास' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 11 से 14 अप्रैल तक चार दिवसीय 'अम्बेडकर जयंती' तथा 'विश्वविद्यालय स्थापना दिवस' के अवसर पर विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 14 अप्रैल को समापन सत्र के दौरान 'उद्यमिता से समावेशी विकासः बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की दृष्टि में' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण विभाग की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण अभियांत्रिकी विभाग की राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के फाउंडर चेयरमैन शशांक कुंवर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत गायन के पश्चात आयोजन समिति की ओर से मंचासीन अतिथियों एवं शिक्षकों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रो. राज शरण शाही ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि मंच संचालन का कार्य डॉ. सूफिया अहमद ने किया।मुख्य अतिथि बेबी रानी मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान ही समाज में परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी को यह चिंतन करना चाहिए कि वे किस प्रकार बाबासाहेब के सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने दलितों, वंचितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया तथा संविधान के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए बाबासाहेब के संदेश "शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो" को अपनाने का आह्वान किया।राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि बाबासाहेब के जीवन से हमें कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि समाज में असमानता को समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से शिक्षा को सशक्त माध्यम बनाकर समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी को अम्बेडकर जयंती की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में केवल नौकरी खोजने के बजाय युवाओं को नौकरी देने वाला बनना चाहिए, जिससे समाज और देश की अर्थव्यवस्था सशक्त बन सके।मुख्य वक्ता शशांक कुंवर ने डीआईसीसीआई के उद्देश्यों और कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्था वंचित वर्गों के युवाओं को उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता से जुड़ी जानकारी प्रदान करती है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय में 'भीम वॉक' का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति ने शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ परिसर में पदयात्रा की।

मोहनलालगंज पुलिस ने मानसिक रूप से अस्वस्थ लापता व्यक्ति को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना मोहनलालगंज पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में जनसुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं मानव जीवन की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर प्रभावी गश्त एवं सतर्क निगरानी की जा रही है।इसी क्रम में 13 अप्रैल 2026 को थाना मोहनलालगंज पुलिस टीम रात्रि गश्त के दौरान क्षेत्र में भ्रमणशील थी। रात्रि लगभग 10:30 बजे गोपाल खेड़ा रेलवे क्रॉसिंग के पास पुलिस टीम की नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, जो संदिग्ध अवस्था में रेलवे पटरी पर चल रहा था। संभावित खतरे को भांपते हुए पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए उक्त व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर लाकर रोका, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना समय रहते टाली जा सकी।पूछताछ के दौरान पाया गया कि उक्त व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है तथा अपनी स्पष्ट जानकारी देने में असमर्थ था। पुलिस टीम द्वारा संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उससे संवाद स्थापित किया गया। काफी प्रयासों के उपरांत उस व्यक्ति द्वारा एक मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया गया।उक्त मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि व्यक्ति का नाम राम हरि पुत्र जगदीश, निवासी जटनगर, थाना शिवरोड, जनपद करौली (राजस्थान) है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि वह मानसिक रूप से बीमार है तथा लगभग 15 दिन पूर्व अपने घर से लापता हो गया था, जिसकी तलाश उसके परिजन लगातार कर रहे थे।पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए संबंधित परिजनों को सूचना देकर थाना मोहनलालगंज बुलाया गया। इसके उपरांत उक्त व्यक्ति को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। लापता व्यक्ति को सुरक्षित पाकर परिवारजनों ने मोहनलालगंज पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

ईरान युद्ध के बाद नई दिशा में भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कूटनीतिक बनाने पड़ सकती..!

ईरान युद्ध जिस तरह लड़ा गया और सीजफायर हुआ इससे मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में कूटनीतिक रूप से व्यापक प्रभाव पड़ने वाली है और भारत की कूटनीतिक मुश्किल दरवाजे पर खड़ी है। विशेषकर तब जब अमेरिका ईरान युद्ध की मध्यस्थता भारत धुर विरोधी देश पाकिस्तान ,तुर्की, मिश्र जैसे देश कर रहे हैं। भारत अब तक मध्य पूर्व में इजरायल को अगुआ बना कर अपनी प्राथमिकता तय करता था।इस युद्ध के बाद ईरान के मुस्लिम देशों का नेता बनने का माहौल बन रहा है जिससे गैर मुस्लिम देश भारत और इजरायल को नई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।हो सकता है कि इसराइल इस युद्ध के सीजफायर को माने ही नहीं क्योंकि वह लेबनान पर हमला जारी रखेगा। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका की ओर से इसराइल पर यह बाध्यता नहीं होगी कि वह हिज्बुल्लाह, हमास हुती पर हमला न करें। और अगर हमले जारी रहेंगे तो ईरान अब खुले तौर पर इसराइल से युद्ध करेगा । चाइना और रूस अब उसका साथ खुले तौर पर देंगे। अमेरिका तो युद्ध से एग्जिट हो गया क्योंकि उसे यही करना था ।जेडी वेंस, तुलसी गैबार्ड, रक्षा मंत्री, रोबियो,सब ने दबाब बनाया कि इसराइल ने इस युद्ध में अमेरिका को उलझा दिया। सीनेट, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में भी यही मनसा थी । बढ़ी चतुराई से अमेरिका सम्मानजनक तरीके से एग्जिट हुआ । इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर खान, और प्रधानमंत्री मंत्री शहवाज शरीफ ने मौजतफा खामनाई को समझा दिया कि अभी सीजफायर कर लो। इजरायल इस सीजफायर के खिलाफ था।अब होगा यह कि मुस्लिम देशों, पाकिस्तान, तुर्की, मिश्र, ईरान, इराक, कतर, बहरीन, सऊदी अरब, यूएई कुवैत, इसराइल पर दबाव बनाएंगे कि पालिस्टिन,गाजा,की कब्जाई गई जमीन वापिस करे अन्यथा कारवाही के लिए तैयार रहे । इसराइल अब बहुत बड़े संकट में इसलिए फंस गया है कि उसके चारों ओर मुस्लिम देश है। हिज्बुल्लाह, हमास, हुती सक्रिय हो सकते हैं और उन्हें बेहिसाब मदद ईरान और मुस्लिम देश करेंगे। इसराइल का गॉडफादर अमेरिका अब कतई मदद नहीं करेगा। आगे चल कर इसराइल का अस्तित्व समाप्त करने की कोशिश करेंगे मुस्लिम देश। भारत के लिए संकट यह है कि लश्कर ए तोयबा, सक्रिय हो कर पाकिस्तान की शह पर कश्मीर में उग्रवादी गतिविधियों को बड़ा सकते हैं। स्व अयातुल्ला खुमानी ने कश्मीरी लोगों के लिए हमदर्दी जताई थी ईरान की नई लीडरशिप भी यही बात आगे बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष एक ओर खाड़ी देशों और ईरान से आने वाला तेल है जो अर्थ व्यवस्था के लिए जरूरी है दूसरी ओर कश्मीर जो बीजेपी के लिए नाक का प्रश्न है। हो सकता है कि ओ आई सी कश्मीर के संबंध कोई प्रस्ताव पारित करे और पाकिस्तान, तुर्की, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर उठाए। हालांकि भारत अकेला भी पड़ जाय तब भी कोई देश कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि भारत परमाणु सकती भी है और संपन्न देश भी है। भारत के पक्ष में एक तथ्य यह भी है कि भारत के पाकिस्तान को छोड़कर सभी मुस्लिम देशों से संबंध ठीक है । जिसमें ईरान से संबंध बहुत ही बेहतर है क्योंकि ईरान मुस्लिम देशों अकेला गैर सुन्नी मुस्लिम देश है।यहां पर शिया मुस्लिम रहते हैं। शिया मौलवी सैयद अलिफ जैदी कहते हैं कि ईरान भारत का पंडित जवाहरलाल नेहरू के जमाने से फिर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी तक मित्र राष्ट्र रहा है क्योंकि भारत ने हमेशा पालिस्टिन,का यासिर अराफात के जमाने से समर्थन किया। लेकिन कुछ सालों हमारे इसराइल से भी अच्छे संबंध रहे है। भारत रहने वाले शिया मुस्लिम का भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा है। स्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई को लखनऊ खूब समर्थन मिलता था। अमेरिका की स्थिति अब इसी है वह युद्ध का नाम नहीं लेगा। और न ही साल दो साल फटे में पैर आडायेगा। पाकिस्तान रणनीतिक रूप से इस समय बढ़त हासिल किए हैं क्योंकि उसे तेल उधार मिलता रहेगा। दूसरे उसे अमेरिका से हथियार मिल जाएगा।

गैस की समस्या को सुलझाने का प्रयास

प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा नहीं है कि यह बात किसी चुनावी रैली में कही थी। उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में 10 अगस्त 2018 को वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में तमाम विशेषज्ञों की मौजूदगी में कही थी और सबने इस पर तालियां बजाई थी।

हरिशंकर व्यास

पहले कुछ तथ्यों की बात कर लें। भारत अपनी जरुरत का 60 फीसदी गैस आयात करता है और 40 फीसदी अपने यहां बनाता है। भारत में जो गैस बनती है उसमें 25 से 28 फीसदी बढ़ोतरी करने के लिए सरकार की ओर से कहा गया है। 25 फीसदी उत्पादन बढ़ने का मतलब है कि भारत 10 फीसदी गैस और बनाने लगेगा। यानी उसके बाद भी 50 फीसदी गैस बाहर से आनी है। दूसरा तथ्य यह है कि भारत में गैस की स्टोरेज क्षमता बहुत कम है। मेंगलुरू और विशाखापत्तनम में दो स्टोरेज फैसिलिटी है, जिसमें 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक लाख 40 हजार टन गैस स्टोर करने की सुविधा है। उसी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रति दिन की गैस की खपत 80 हजार टन की है। इसका मतलब है कि भारत के पास कायदे से दो दिन की खपत के बराबर भी स्टोरेज नहीं है। तीसरा तथ्य यह है कि भारत में दो सौ से कुछ ज्यादा बोटलिंग प्लांट हैं, जहां गैस के सिलेंडर भरे जाते हैं। वहां भी स्टोरेज की बड़ी सुविधा नहीं है और इन टाइम आपूर्ति यानी तत्काल आपूर्ति की ही व्यवस्था है। इसलिए अगर संकट बढ़ता है, जंग लंबी चलती है और कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति प्रभावित होगी। सोचें, कोरोना महामारी के समय जब गैस की कीमतें बढ़ीं उस समय चीन ने तेल और गैस के भंडारण की नई सुविधाएं विकसित की और सस्ता तेल व गैस खरीद कर जमा करना शुरू किया। वह 36 नई फैसिलिटी डेवलप कर रहा है, जहां गैस का भंडारण होगा। इसमें ज्यादातर फैसिलिटी समुद्र तटों पर नहीं है, बल्कि देश के अंदर है। इसी तरह वह सौ अरब गैलन से ज्यादा तेल स्टोर करने की फैसिलिटी विकसित कर रहा है। खैर उससे हमारा क्या मुकाबला? हम तो विश्वगुरू हैं!

अब यही हमलोगों की असली क्षमता की परीक्षा होनी है। अब दुनिया को यह दिखा देना होगा कि भारत विश्वगुरू है। इसके लिए गैस बनाने के नए रास्तों पर अमल शुरू करने का समय आ गया है। जैसे अमेरिका ने चट्टान से तेल निकाल लिया और अफ्रीकी देश डीप सी एक्सप्लोरेशन कर रहे हैं उसी तरह भारत को नालों से गैस बनाने और गाड़ियों के पहिए में भरी हवा से गैस बनाने के तरीके पर व्यापक रूप से अमल शुरू करना चाहिए। इससे भारत को अपनी सारी समस्या का समाधान मिल जाएगा। भारत में तो नाले ही नाले हैं। चारों तरफ नाले हैं और लगभग सभी नाले खुले हुए भी हैं। उनको शायद इसलिए भी नहीं ढका गया होगा कि पता नहीं कब इससे गैस बनाने की जरुरत आन पड़े। तमाम बड़े शहरों के बड़े नाले गंगा और यमुना जैसी नदियों में गिरते हैं और इन पवित्र नदियों की स्वच्छता में अपना योगदान देते हैं। इन तमाम बड़े बड़े नालों से गैस बनाई जा सकती है।

लोग यह सुन कर हंसने लगते हैं कि नाले से कैसे गैस बनेगी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को नाले की गैस से चाय बनाते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा नहीं है कि यह बात किसी चुनावी रैली में कही थी। उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में 10 अगस्त 2018 को वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में तमाम विशेषज्ञों की मौजूदगी में कही थी और सबने इस पर तालियां बजाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को देखा, जिसकी दुकान नाले के बराबर में थी, उसने नाले से निकलने वाली गैस को इक_ा किया और उसे पाइप के जरिए अपनी दुकान में लाकर उसका इस्तेमाल चाय बनाने के लिए किया। जैसे ताली, थाली बजाने से पैदा हुई ऊर्जा से कोरोना खत्म होने या लॉकडाउन से कोरोना का सर्किल टूटने जैसे तर्क गढ़ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को जस्टिफाई किया गया वैसे ही नाले की गैस से चाय बनाने की बात को भी बहुत से जानकारों ने जस्टिफाई किया कि नालों की मिथेन गैस का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि पता नहीं क्यों किसी ने इस पर प्रयोग करके गैस बनाना शुरू नहीं किया? अब समय आ गया है कि नालों से गैस बनाई जाए और उसका इस्तेमाल करके दुनिया को दिखाया जाए कि भारत विश्वगुरू है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उसी वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में ही यह किस्सा भी सुनाया था कि एक बार वे गुजरात में अपने काफिले के साथ जा रहे थे तो उन्होंने देखा कि उनके काफिले के आगे एक व्यक्ति स्कूटर पर ट्रैक्टर का भरा हुआ ट्यूब लेकर जा रहा था। उन्होंने उसे रूकवा कर पूछा तो उस व्यक्ति ने बताया कि उसने अपने घर पर गोबर और कचरे से बनने वाला बायोगैस प्लांट लगा रखा है। वहां वह गैस बनाता है और उसे ट्रैक्टर के ट्यूब में भर कर अपने खेत पर ले जाता है, जहां उससे अपना पंप चला कर सिंचाई का काम करता है। अब पता नहीं इस तरह के प्लांट लगाने और इस तरह से ट्यूब में भर कर उसे लोगों के घरों तक या रीफीलिंग सेंटर्स या बोटलिंग प्लांट तक ले जाने का उपक्रम देश में क्यों नहीं किया गया? लेकिन अब उसका भी समय आ गया है। बाकी इस तरह से गैस बनाने और लोगों तक पहुंचाने के और भी मौलिक उपाय जरूर भारत के पास होंगे। उनका इस्तेमाल करके गैस की समस्या को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए।

टिप्पणी

भेदभाव की गुंजाइश

जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उन्हें अपनाने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रूप से रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस निर्णय पर मुहर लगा दी है कि हिंदू, बौद्ध और सिख धर्म छोड़कर अलावा किसी अन्य महजब को अपना चुका व्यक्ति स्वतः अनुसूचित जाति की श्रेणी से बाहर हो जाता है। आंध्र हाई कोर्ट ने यह फैसला संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश-1950 के तहत दिया था। मामला अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति के धर्म बदल कर ईसाई बनने से संबंधित है। हिंदू धर्म के अंदर अनुसूचित जातियों को मिले लाभ एवं संरक्षणों पर धर्मांतरण के बाद भी उस व्यक्ति ने दावा जताया था। मगर भारतीय संविधान के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

संविधान निर्माताओं ने अनुसूचित जातियों के लिए विशेष प्रावधान हिंदू धर्म के अंदर वर्ण व्यवस्था के तहत बरते गए ऐतिहासिक भेदभाव से उन्हें बचाने के लिए किया था। अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम भी उसी भावना के अनुरूप है। इस कानून के जरिए जातिगत आधार पर होने वाले भेदभाव या अपमान से दलित जातियों को संरक्षण देने का प्रयास किया गया है। जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उनमें शामिल होने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे। उस स्थिति में उसे उन वैधानिक लाभ, संरक्षण, एवं आरक्षण की जरूरत नहीं रहेगी, जो हिंदू धर्म में रहते हुए गरिमामय जीवन के लिए जरूरी था।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस व्याख्या की पुष्टि करते हुए न्यायोचित निर्णय दिया है। हाई कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका में दलील दी गई कि मजहब बदलने के बाद भी अनुसूचित जाति के लोग जातिगत बहिष्करण या भेदभाव से मुक्त नहीं होते। इसलिए उन्हें उन जातियों के लिए तय सारे लाभ मिलने चाहिए। बहरहाल, अगर यह सच है, तो फिर भेदभाव के कारणों की पड़ताल अधिक गहन रूप से की जानी चाहिए। उनसे मुक्ति के क्या उपाय हैं, इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। हर समस्या को जातिगत विमर्श में समेटना अनुचित है। जिन धर्मों का विकासक्रम एक खास परिप्रेक्ष्य में हुआ, उनसे जुड़े प्रावधानों को अन्य धर्मों तक फैलाने की मांग अतार्किक है।

००

ब्लॉग

भाजपा के लिए परीक्षा वाला चुनाव

अजीत द्विवेदी

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव वैसे तो दोनों सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ मजबूत प्रादेशिक क्षत्रपों और वामपंथी पार्टियों के लिए परीक्षा वाले हैं। लेकिन ये चुनाव खासतौर से भाजपा के लिए परीक्षा वाले इसलिए हैं क्योंकि इनके नतीजों से पता चलेगा कि भाजपा गैर कांग्रेस दलों और प्रादेशिक क्षत्रपों के मुकाबले अपनी चिरंतन कमजोरी से उबर पाई है या नहीं। यह भी पता चलेगा कि क्षेत्रीय और भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में भाजपा की अखिल भारतीय राजनीति के दांव पेंच, व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की राजनीति कारगर होती है या नहीं। ध्यान रहे इस बार जिन चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु व केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में, चुनाव हो रहा है, वहां हिंदुत्व बिल्कुल उस रूप में न तो प्रचलित है और न स्वीकार्य है, जिस रूप में भाजपा उसका उत्तर व पश्चिमी भारत में राजनीतिक इस्तेमाल करती है। साथ ही इन राज्यों में राष्ट्रवाद की भावना के साथ साथ उप राष्ट्रीयता की एक बेहद मजबूत अंतरधारा भी हमेशा मौजूद रहती है। इसलिए इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चुनाव भाजपा के लिए परीक्षा वाला है।

तमिलनाडु को छोड़ दें तो बाकी तीनों बड़े राज्यों में भाजपा अकेले लड़ रही है या गठबंधन की केंद्रीय पार्टी है। सबसे बड़े और सबसे ज्यादा विधानसभा वाले राज्य पश्चिम बंगाल में भाजपा अकेले लड़ रही है। असम में जरूर असम गण परिषद, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और यूपीपीएल के साथ भाजपा का तालमेल है लेकिन गठबंधन का नेतृत्व भाजपा कर रही है। 126 सदस्यों की विधानसभा में इस बार वह अकेले बहुमत हासिल करना चाहती है। इससे पहले दो चुनावों से वह बहुमत के आंकड़े यानी 64 सीट से थोड़ा नीचे रूक गई थी। उधर केरल में भी भाजपा ने साबू जैकब की ट्वेंटी20 पार्टी से तालमेल किया है। यह एक ईसाई पहचान वाली पार्टी है। वहां भी भाजपा केंद्रीय ताकत है। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी अपना मजबूत आधार नहीं बना पा रही है और उसे अन्ना डीएमके के पीछे चलना पड़ रहा है, जिसने लोकसभा चुनाव में भाजपा को छोड़ दिया था। हालांकि बाद में भाजपा फिर उसके साथ जुड़ी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा के लिहाज से इसलिए भी बहुत अहम हैं क्योंकि इनसे दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार की संभावनाओं का भी पता चलेगा। धीरे धीरे ही सही लेकिन भाजपा ने कर्नाटक के बाद तेलंगाना में अपना मजबूत आधार बना लिया है। केरल में पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत दहाई में पहुंच गया। उसके गठबंधन को 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले, जो लोकसभा चुनाव में और बढ़ा।

बहरहाल, अगले महीने होने वाले चुनावों में भाजपा के लिए सबसे अहम पश्चिम बंगाल का चुनाव है। भारत की राजनीति में एकाध ही प्रादेशिक क्षत्रप हैं, जिनसे भाजपा सीधी लड़ाई लड़ती है और हरा नहीं पाती है। ममता बनर्जी को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा आज तक नहीं हरा पाई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बंगाल में सबसे मजबूत होकर उभरी तब भी ममता बनर्जी की पार्टी को उससे ज्यादा सीटें मिलीं। उसके बाद के चुनाव में तो ममता ने चैलेंज देकर भाजपा को सौ सीट के नीचे रोका। भाजपा को 2021 के चुनाव में 77 सीटें मिलीं। इसकी एक व्याख्या तो यह है कि भाजपा 2016 की तीन सीटों से बढ़ कर 77 पहुंची और दूसरी व्याख्या यह है कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में सौ से ज्यादा सीटों पर मिली बढ़त से घट कर 77 पर रह गई।

जो हो, इस बार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार ममता बनर्जी के मुकाबले सीधी लड़ाई में उतरेगी। ध्यान रहे तीसरी सीधी लड़ाई में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को भी हरा दिया था। दिल्ली में 2013 के चुनाव में भाजपा 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। वह 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी से हारी लेकिन 2025 में उसने उसे हरा दिया। ऐसे ही पश्चिम बंगाल में 2016 और 2021 के बाद अब तीसरी लड़ाई है। इस बार हर दांव आजमाए जा रहे हैं। पिछले 10 साल में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के हर दांव पेंच को समझा है। उसकी ताकत और चुनाव लड़ने के तरीके को ऑब्जर्व किया है और उस हिसाब से रणनीति बनी है। इसमें चुनाव आयोग भी अहम भूमिका निभा रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के जरिए 63 लाख नाम काटे जा चुके हैं। 60 लाख नाम विचाराधीन श्रेणी में रखे गए हैं, जिनमें से 25 से 30 लाख नाम और कट सकते हैं।

इनमें से ज्यादातर नाम मुस्लिम बहुल मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया और उत्तरी दिनाजपुर जिले के हैं। भाजपा का दावा है कि इनमें से बड़ी संख्या में ऐसे घोस्ट मतदाता थे, जिनकी सरकारी तंत्र से बोगस वोटिंग करा कर ममता बनर्जी जीतती हैं। इस बार के चुनाव में इस दावे की भी परीक्षा हो जाएगी। चुनाव आयोग इस बार बुर्के वाली महिलाओं की मतदान केंद्र से बाहर भी जांच करने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय बलों की तैनाती चुनाव की घोषणा से पहले ही कर दी गई है। पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएन रवि को चुनाव से ऐन पहले बंगाल का राज्यपाल बनाया गया। वे तमिलनाडु में डीएमके से टकराव की वजह से मशहूर हुए थे। इसी तरह चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसी ईडी ने ममता बनर्जी का चुनाव प्रबंधन कर रही कंपनी आईपैक के ऊपर छापा मारा। आचार संहिता लगते ही चुनाव आयोग ने ममता की बनाई नंदिनी चक्रवर्ती को मुख्य सचिव के पद से हटा दिया।

भाजपा पश्चिम बंगाल के चुनाव को एक राजनीतिक मुकाबले से ज्यादा सभ्यतागत संघर्ष के रूप में लड़ रही है। यह बात पार्टी के प्रवक्ता चैनलों में कह रहे हैं। भारत जैसे विविधता वाले देश में किसी राज्य में अगर भाजपा चुनावी मुकाबले को सभ्यतागत संघर्ष बता रही है तो उसकी बेचैनी को समझा जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले कोलकाता के परेड ग्राउंड मैदान में अपने भाषण में यह भय दिखाया कि हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। असल में भारत की जो सभ्यता है वह कई संस्कृतियों का समुच्य है। भारत विरूद्धों में सामंजस्य साधने की सहस्त्राब्दियों पुरानी व्यवस्था का नाम है। भाजपा सांस्कृतिक भिन्नता को सभ्यतागत संघर्ष बता रही है। यह काम तमिलनाडु में भी किया जा रहा है। सो, राजनीतिक प्रबंधन, चुनाव आयोग की भूमिका, भाजपा की सर्वशक्तिमान सत्ता की ताकत और चुनाव को सभ्यतागत संघर्ष बनाने का नैरेटिव बंगाल में कितना कामयाब होता है इस पर सबकी नजर होगी। अगर भाजपा इतना सब करने के बाद भी नहीं जीतती है तो उसे गंभीरतापूर्वक अपनी इस राजनीति पर विचार करना होगा।

असम में भाजपा के लिए लड़ाई अपेक्षाकृत आसान इसलिए लगती है क्योंकि वहां परिसीमन के बाद 105 के करीब सीटें ऐसी हो गईं, जिन पर मुस्लिम मतदाताओं का असर बिल्कुल खत्म हो गया है। भाजपा इन्हीं सीटों पर पूरा दम लगा कर लड़ती है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और घुसपैठ के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा का नैरेटिव भाजपा को सपोर्ट करता है। कुछ भाजपा के प्रयासों और कुछ अपने कारणों से कांग्रेस असम में कमजोर हुई है। उसके कई नेता पार्टी छोड़ कर गए हैं। फिर भी गौरव गोगोई पूरी ताकत से लड़ रहे हैं।

केरल में भाजपा का मुख्य प्रयास अपना वोट आधार बढ़ाने और ऐसी राजनीतिक बिसात बिछाने का है, जिसमें कांग्रेस फिर नहीं जीत पाए। भाजपा को पता है कि किसी भी नए राज्य में कांग्रेस की जीत उसे राष्ट्रीय स्तर पर संजीवनी देगी। लेकिन अगर वाम मोर्चा केरल में जीत जाता है तो उससे राष्ट्रीय राजनीति पर रत्ती भर असर नहीं पड़ेगा। तभी केरल का चुनाव भाजपा के नजरिए से देखने की जरुरत नहीं है। वहां के चुनाव नतीजे में दिलचस्पी का तत्व सिर्फ यह है कि कांग्रेस जीतती है या नहीं।

तमिलनाडु जरुर दिलचस्प चुनाव है क्योंकि एमके स्टालिन ने तमिल उप राष्ट्रीयता और भाषायी अस्मिता के साथ साथ विकास की राजनीति भी की है। देश की 15 फीसदी पंजीकृत विनिर्माण ईकाई तमिलनाडु में है और 15 फीसदी मजदूर वहां काम करते हैं। चाहे निवेश की बात हो, प्रति व्यक्ति आय की बात हो, जीडीपी की बात हो या औद्योगिक विकास की बात हो, तमिलनाडु मिसाल बना है। वहां भाजपा सनातन और हिंदी के सम्मान की बात करती है लेकिन उसकी सहयोगी अन्ना डीएमके ऐसा नहीं करती है। वह भी मोटे तौर पर डीएमके वाले एजेंडे पर ही चलती है। भाजपा राज्य की राजनीति में छोटी पार्टी है और बहुत कम सीटों पर लड़ेगी। लेकिन उसका प्रयास होगा कि अन्ना डीएमके के कंधे पर सवार होकर डीएमके को हराए। इससे भाजपा के लिए तमिल राजनीतिक का दरवाजा खुलेगा और कांग्रेस की एक बड़ी मददगार पार्टी कमजोर होगी।

आतंकी मिन्हाज और मुशीरुद्दीन का कच्चा चिट्ठा! कानपुर में बनानी थी आतंक की नर्सरी? चमनगंज की

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के कई शहरों को दहलाने की साजिश रचने वाले तीन आतंकियों मिन्हाज अहमद, मुशीरुद्दीन और तौहीद को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

इनकी गिरफ्तारी लखनऊ से हुई थी, लेकिन बाद में यह दावा किया गया कि मिन्हाज और मुशीरुद्दीन ने कानपुर में भी आतंकी नर्सरी तैयार करने की योजना बनाई थी और इसके लिए एक बिल्डर की मदद से चमनगंज में इनके लिए ठिकाना तैयार किया जा रहा था।

मिन्हाज और मुशीरुद्दीन के कानपुर कनेक्शन को लेकर कोई जांच रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन इस बार के पुख्ता सबूत बताए गए थे कि दोनों का कानपुर से गहरा नाता था। दावा था कि मिन्हाज

ने बताया था कि उसने कानपुर में टेरर क्लास रूम प्लान किया था। इसके लिए जगह की जिम्मेदारी चमनगंज के एक बड़े बिल्डर को दी गई थी।

उसने बताया था कि यहां नौजवानों को रेडिकलाइज करके आतंक का पाठ पढ़ाया जाना था। यह भी सामने आया था कि रहमानी मार्केट से मिन्हाज के लिए दो प्री-एक्टिवेटेड सिम और एक मोबाइल उपलब्ध कराया गया था। उस वक्त मीडिया में बिल्डर को उठाकर उनसे पूछताछ की खबर भी सामने आई थी, लेकिन उसकी कभी पुष्टि नहीं हो सकी।

यह भी सामने आया था कि मिन्हाज ने चमनगंज के हिस्ट्रीशीटर से एक पिस्टल भी खरीदी थी। इसका फाइनेंसर नई सड़क का एक बिल्डर था। उस वक्त एटीएस व जांच एजेंसियों की चहलकदमी चमनगंज के अलावा पेंचबाग में भी सामने आई थीं।

स्लीपर सेल की तरह किया काम

जानकारी के मुताबिक करीब डेढ़ साल तक मिन्हाज ने स्लीपर सेल की तरह काम किया और फिर नौकरी जाने के बाद वह सक्रिय रूप से अलकायदा के साथ जुड़कर काम करने लगा। सूत्रों के मुताबिक वह इतना कट्टर हो चुका था कि वह खुद को मानव बम बनाने पर भी राजी हो गया था।

संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक थे बाबा साहेब

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति एवं वरिष्ठ नेताओं ने कार्यालय पर और जिले के प्रत्येक बूथ पर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि भाजपा सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े पांच प्रमुख स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर उन्हें वह सम्मान दिया, जिसके वे हकदार थे। पीयूष गुप्ता , संदीप तिवारी , अजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने बाबा साहेब का नाम तो लिया, लेकिन उन्हें हमेशा चुनाव हराने और अपमानित करने का काम किया। इसके विपरीत, भाजपा सरकार ने बाबा साहेब के विचारों को नीतिगत ढांचा प्रदान किया है। जिला

मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने कहा कि बाबा साहेब केवल एक समुदाय के नेता नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक थे कांग्रेस ने दशकों तक उन्हें अपमानित किया और उनके योगदान को दबाने का प्रयास किया, लेकिन भाजपा ने उन्हें राष्ट्र के नायक के रूप में स्थापित किया है आज का भारत बाबा साहेब के सपनों का भारत है। जिला अध्यक्ष भाजपा ने मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की ।मंडल अध्यक्ष बेलवार रूपेश सिंह, सुजानगंजरू संतोष पासी , मुंगराबादशाहपुर रू राजीव केशरी , तरहटी श्मुकेश पटेल , पवारा रू अजय दुबे , नवपेड़वा जनार्दन गौड़ है। जिला उपाध्यक्ष परविंदर चैहान सतीश दुबे दीपक सिंह मंटो घनश्याम यादव शुभम मौर्य आदि उपस्थित रहे।

सुलतानपुर पुलिस लाइन में अंबेडकर जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। भारत रत्न एवं संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन सुलतानपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई और देश को एक सशक्त संविधान प्रदान किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों को बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश दिया। साथ ही संविधान के मूल्योंकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का पालन करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पीआरओ, आरआई समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लेबर पेन में अचानक निकलने लगे नवजात के पैर, खींचते ही अलग हो गया धड़, सिर पेट में फंसा रहा... ऐसे बची महिला की जान

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से चिकित्सा जगत को दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां सरकारी अस्पताल के स्टाफ की संवेदनहीनता और लापरवाही ने न केवल एक नवजात की जान ले ली, बल्कि एक प्रसूता को भी मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। प्रसव के दौरान की गई एक तकनीकी भूल और अमानवीय व्यवहार के कारण नवजात का धड़ सिर से अलग हो गया, जबकि सिर मां के गर्भ में ही फंसा रह गया।

घटना कलवारी थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव की है। यहां रहने वाले नीरज कुमार की 27 वर्षीय पत्नी प्रेमा देवी को 8 अप्रैल को प्रसव पीड़ा शुरू हुई थी। परिजन आनन-फानन में उन्हें एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) कुदरहा ले जा रहे थे। रास्ते में ही बच्चे के पैर बाहर आने लगे, जिससे स्थिति नाजुक हो गई।

झटके से खींचा और हो गया खौफनाक हादसा

जैसे ही एंबुलेंस सीएचसी परिसर पहुंची, वहां मौजूद स्टाफ नर्स और कर्मचारियों ने कथित तौर पर बिना स्थिति की गंभीरता को समझे जल्दबाजी दिखाई। पति नीरज का आरोप है कि नर्स कुसुम ने प्रेमा को इंजेक्शन दिया और एंबुलेंस के भीतर ही बच्चे के पैर पकड़कर जोर से बाहर की तरफ खींचा। झटका इतना तेज था कि नवजात का कोमल शरीर सह नहीं पाया और उसका धड़ सिर से अलग होकर नर्स के हाथ में आ गया। बच्चा दम तोड़ चुका था और उसका सिर अब भी मां के गर्भ के भीतर फंसा हुआ था।

जिम्मेदारी से भागता स्टाफ और निजी अस्पताल की लूट

इस भयावह स्थिति को देख सीएचसी स्टाफ के हाथ-पैर फूल गए। अपनी गलती सुधारने के बजाय उन्होंने फौरन महिला को एक निजी नर्सिंग होम रेफर कर दिया। आरोप है कि वहां भी संवेदनहीनता का खेल जारी रहा। निजी अस्पताल ने बिना इलाज शुरू किए बेड चार्ज और खून की जांच के नाम पर पीड़ित परिवार से 7 हजार रुपये वसूल लिए। जब वहां इलाज में देरी होने लगी, तो पति अपनी पत्नी को लेकर आनन-फानन में बस्ती मेडिकल कॉलेज (कैली यूनिट) भागा।

2 घंटे का जटिल ऑपरेशन और विशेषज्ञों की राय

मेडिकल कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ। कल्पना मिश्रा ने बताया कि जब महिला वहां पहुंची, तो उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर थी। सामान्य प्रसव संभव नहीं था, इसलिए तत्काल इमरजेंसी ऑपरेशन का फैसला लिया गया। करीब 2 घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद गर्भ में फंसे नवजात के सिर को बाहर निकाला गया। डॉक्टरों की कड़ी मेहनत के बाद महिला की जान बचाई जा सकी। विशेषज्ञों का कहना है कि जब बच्चा ब्रीच (पैर की तरफ से) आता है, तो वह एक हाई-रिस्क केस होता है। ऐसी स्थिति में सामान्य प्रसव के बजाय सिजेरियन ही सुरक्षित विकल्प होता है। जबरन खींचने से गर्दन फंसने और इस तरह के घातक परिणाम होने का खतरा हमेशा बना रहता है।

जांच की मांग

पीड़ित पति नीरज कुमार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने सीएचसी स्टाफ की लापरवाही और निजी अस्पताल की मनमानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, सीएमओ डॉ। राजीव निगम ने मामले की जानकारी से इनकार करते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से रिपोर्ट तलब करने की बात कही है। यह घटना उत्तर प्रदेश की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था और वहां तैनात स्टाफ के प्रशिक्षण पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पथराव कर भैंस उठा ले गये पशु तस्कर, गांवों में दहशत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के छुंछा गांव में आधी रात को पिकअप सवार नकाबपोश चोरों ने ईंट-पत्थर चलाकर एक भैंस लाद ली, जबकि दूसरी भैंस को लादने के दौरान उसकी पूंछ टूट जाने से उसे छोड़कर फरार हो गए। पूरी घटना पास के पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चार दिन के भीतर क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी चोरी की घटना है। छुंछा गांव में पेट्रोल पंप के समीप रहने वाले राम शिरोमणि यादव का परिवार रात में भोजन के बाद सो गया था। बरामदे में बंधी भैंसों को निशाना बनाते हुए देर रात सफेद पिकअप से पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने एक भैंस खोलकर वाहन पर लाद ली। इसके बाद चोर पड़ोसी नंदू चैरसिया के घर पहुंचे और उनकी भैंस भी खोलकर ले जाने लगे।जब चोर भैंस को पिकअप पर चढ़ाने लगे तो भैंस जोर-जोर से चिल्लाने लगी। इस दौरान खींचतान में उसकी पूंछ टूट गई और खून बहने लगा। आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए और टॉर्च लेकर दौड़े। खुद को घिरता देख चोरों ने ईंट-पत्थर चलाकर ग्रामीणों को डराया और घायल भैंस को वहीं छोड़कर राम शिरोमणि यादव की भैंस लेकर छबीलेपुर की ओर फरार हो गए।घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में देखा कि सफेद पिकअप में भैंस लादकर बदमाश फरार हो रहे हैं। पीड़ित परिवार ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया।पीड़ित राम शिरोमणि यादव ने बताया कि उनकी भैंस कीमती थी। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह पहले कुछ लोग खुद को व्यापारी बताकर भैंस खरीदने आए थे, लेकिन मना करने पर लौट गए थे। आशंका जताई जा रही है कि वही लोग घटना में शामिल हो सकते हैं।

आंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की प्रतिमा हटाने से कबूलपुर गांव में रोष, पुलिस तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत जिले में डॉ। भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा हटाए जाने से बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव कबूलपुर में मंगलवार को तनाव की स्थिति बन गई। एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन लोगों ने चंदा इकट्ठा कर प्रतिमा स्थापित की थी। सोमवार की रात पुलिस-प्रशासन ने प्रतिमा हटवा दी। आंबेडकर जयंती पर मंगलवार सुबह जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो प्रतिमा वहां नहीं थी, जिससे आक्रोश फैल गया।

गांव के सर्वेश, दीपक, गौरव, रामपाल, राजपाल, संतोष कुमार, कालीचरन, रूपलाल, रामबहादुर, लाल बहादुर आदि ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान पर प्रतिमा रखी गई थी, वह फर्द में आंबेडकर पार्क के रूप में दर्ज है। प्रतिमा सोमवार दोपहर रखी गई थी। आंबेडकर जयंती पर मंगलवार को उसका अनावरण होना था। इससे पहले ही सोमवार रात करीब 12 प्रतिमा हटवा दी गई। इससे समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। गांव में तनाव की स्थिति देख पुलिस बल तैनात किया गया है। सीओ विधि भूषण मौर्य भी रात में ही गांव पहुंचे थे। सुबह से काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ प्रतिमा स्थल पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने नारेबाजी की।

बिना अनुमति लगाई थी प्रतिमा, ग्रामीणों ने खुद हटाई

प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों ने प्रतिमा बिना अनुमति के स्थापित की थी। इस वजह से खुद ही हटा ली। एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय ने बताया कि ग्रामीणों ने बिना किसी अनुमति के ही प्रतिमा लगा दी थी। जब उन्हें इसका अहसास हुआ तो खुद ही हटा ली। अब ग्रामीण, अनुमति के लिए प्रार्थना पत्र देंगे।

अम्बेडकर जयंती पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, एसपी व डीएम ने किया निरीक्षण

सुलतानपुर। भारत रत्न संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जनपद सुलतानपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर चारु निगम और जिलाधिकारी सुलतानपुर कुमार हर्ष ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थलों और जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का गहन जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस व प्रशासनिक कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

महिलाएं–बच्चे और बुजुर्ग....किला देखने के बाद रास्ता भूले, जंगल में रातभर भटकते रहे 10 लोग, मोबाइल भी बंद, फिर कैसे निकले बाहर?

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के रामपुर बरकोनिया में विजयगढ़ किला है। यहां किला घूमने आए 10 श्रद्धालु जंगल में रास्ता भटक गए। इसकी जानकारी जैसे ही पुलिसकर्मियों को हुई, उन्होंने जंगल में तलाशी अभियान चलाया। करीब 8 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार, 13 अप्रैल 2026 की रात लगभग 8:20 बजे पीआरवी को सूचना मिली कि वाराणसी और मिर्जापुर से आए 10 श्रद्धालु विजयगढ़ किला स्थित मजार पर दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद किले के पीछे मुख्य द्वार से जंगल के रास्ते लौटते समय वे रास्ता भटक गए। सूचना मिलते ही थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस और पीआरवी 8507 की टीम मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू की।

सर्च ऑपरेशन के दौरान कॉलर का मोबाइल स्विच ऑफ होने के कारण पुलिस को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद टीम ने टॉर्च, सीटी और लाउड हेलर की मदद से घने जंगल में लगातार तलाश जारी रखी। कड़ी मेहनत और सूझबूझ का परिचय देते हुए पुलिस ने सभी 10 श्रद्धालुओं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे, उनको सुरक्षित खोज निकाला।

सभी लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू

सकुशल बरामद होने वाले श्रद्धालुओं में मिर्जापुर और वाराणसी के निवासी शामिल हैं। सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद उनके परिजनों ने सोनभद्र पुलिस का आभार व्यक्त किया और पुलिस की तत्परता की सराहना की। इस सफल अभियान में प्रभारी निरीक्षक विनोद यादव, उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह सहित थाना पुलिस और पीआरवी 8507 की टीम के कई पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिनकी सक्रियता से यह अभियान सफल हो सका। सोनभद्र पुलिस ने आमजन से अपील की है कि जंगल या अपरिचित स्थानों पर जाते समय स्थानीय मार्गदर्शन अवश्य लें और समूह से अलग न हों, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

दिल्ली से हिमाचल अब सिर्फ 3 .5 घंटे में... दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे से कम हुई इतनी दूरी, पहले लगते थे 7 घंटे

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। आज का दिन उत्तर भारत की कनेक्टिविटी के लिए ऐतिहासिक साबित होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहारनपुर में भव्य रोड शो के बाद बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का विधिवत लोकार्पण करेंगे। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न केवल दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी सिमट जाएगी। बल्कि ये एक्सप्रेसवे हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक शहर पांवटा साहिब जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह किसी वरदान से कम नहीं है।

दिल्ली से हिमाचल के सबसे नजदीकी पर्यटन और औद्योगिक केंद्र पांवटा साहिब पहुंचने में अब तक 6 से 7 घंटे का समय लगता था। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे और पांवटा साहिब-बल्लूपुर (NH-07) फोरलेन परियोजना के जुड़ जाने से समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

एक्सप्रेसवे का रूट मैप और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स

यह कॉरिडोर दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से शुरू होता है। गीता कॉलोनी से इसका एलिवेटेड हिस्सा शुरू होकर शास्त्री पार्क, खजूरी खास और मंडोला होते हुए बागपत की सीमा में प्रवेश करता है। प्रमुख इंटरचेंज- खेकड़ा (बागपत), लोहड्डा (बड़ौत), करौंदा महाजन (शामली) और हल्गोया (सहारनपुर) हैं। दिल्ली में 5 और उत्तर प्रदेश में 11 एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स दिए गए हैं, जिससे स्थानीय यात्रियों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

ग्रीनफील्ड बाईपासः पांवटा साहिब रूट पर 25 किमी का नया ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया गया है, जो सेलाकुई और हरबर्टपुर जैसे जाम वाले इलाकों को बाईपास कर देता है। इससे दूरी भी 7 किमी कम हो गई है।

जेब पर कितना पड़ेगा असर?

दिल्ली से काठा (बागपत) 235 रुपये, 24 घंटे में वापस आने पर 350 रुपये टोल टैक्स लगेगा। वहीं, दिल्ली से रसूलपुर (सहारनपुर) 420 रुपये और एक दिन में वापसी पर 630 रुपये टोल लगेंगे। दिल्ली से सैयद माजरा (सहारनपुर) एक तरफ टोल दर 530 रुपये है। 24 घंटे में वापसी पर 790 रुपये लगेंगे। वहीं, दिल्ली से देहरादून तक टोल टैक्स की दर 675 रुपये निर्धारित की गई है। अगर आप एक दिन के अंदर वापस लौटते हैं तो आपको टोल टैक्स 1010 रुपये लगेंगे।

क्या होगी स्पीड लिमिट?

एक्सप्रेसवे को आधुनिक तकनीक से बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा के कड़े मानक तय किए गए हैं। प्राइवेट कार- अधिकतम 100-120 किमी/घंटा की गति से ढाई घंटे में सफर पूरा कर सकेंगी। कॉमर्शियल वाहन- स्पीड गवर्नर के कारण 80 किमी/घंटा की लिमिट रहेगी, जिससे उन्हें करीब 3 घंटे लगेंगे। वाइल्डलाइफ कॉरिडोर- राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जहां हॉर्न बजाना सख्त मना है।

रैली निकाल शहीद दमकलकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर शहीद दमकलकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और अग्निशमन विभाग ने एक जागरूकता रैली निकाली। इस रैली के माध्यम से लोगों को आग से बचाव के उपायों के प्रति सचेत किया गया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इस दौरान, विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आमजन को आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। इसमें आग लगने पर तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित करने, बिजली उपकरणों के सुरक्षित उपयोग तथा ज्वलनशील वस्तुओं के प्रति सतर्कता बरतने जैसे महत्वपूर्ण संदेश शामिल थे। स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, वर्ष 1944 में

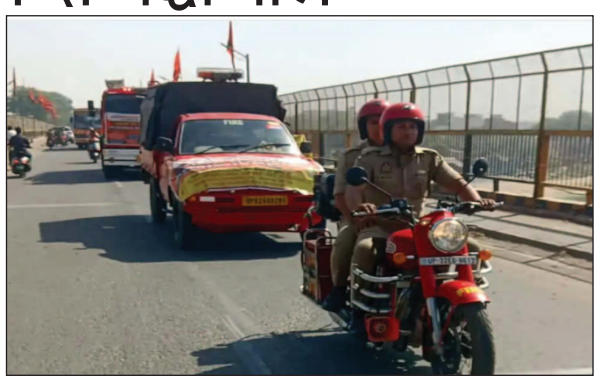

मुंबई डॉकयार्ड में हुए भीषण विस्फोट में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए 66 दमकलकर्मियों को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर इन वीर कर्मियों के बलिदान को याद किया।ज्ञात हो कि भारत में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 14 अप्रैल 1944 को मुंबई में एसएस फोर्ट स्टिकाइन नामक जहाज पर लगी भीषण आग और विस्फोट की घटना की याद में समर्पित है। इस घटना में 66 दमकलकर्मी शहीद हो गए थे।इस दिवस का मुख्य उद्देश्य अग्निशमन कर्मियों के साहस और बलिदान को सम्मान देना है। साथ ही, इसका लक्ष्य आम जनता को आग से बचाव और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना भी है।

रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

नींबू में विटामिन-सी के साथ एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने से लेकर वजन कम करने तक में लाभदायक है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू का पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है? आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया को कर सकता है बेहतर

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाकर पाचन क्रिया को सुचारू रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। इससे पाचन को बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है बढ़ावा

नींबू में भरपूर विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू में सूजन कम करने वाले और बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हैं। नींबू के पानी में विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाने के लिए इसे बनाने के लिए ताजे और कसे हुए नींबू का उपयोग करें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में सहायक हो सकता है।

वजन को नियंत्रित करने में है कारगर

नींबू के पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ वजन घटाने वाले गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर में चर्बी के संचय को रोककर मोटापे को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही नींबू का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पाचन क्रिया को बेहतर कर सकता है, जो वजन नियंत्रित करने में सहायक है। इससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

लिवर को साफ करने में है मददगार

नींबू का पानी लिवर को साफ करने में मदद कर सकता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करके लिवर को साफ करने में सहायक है। नींबू के पानी में एक खास एसिड पाया जाता है, जो शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। यह लिवर को साफ करने में सहायक हो सकता है।

सांसों की बदबू कर सकता है दूर

नींबू के पानी में बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को खत्म करके सांसों की बदबू दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद साइट्रिक एसिड लार के उत्पादन को बढ़ावा देकर दांतों पर प्लाक बनने से रोक सकता है। लाभ के लिए रोजाना सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। यह सांसों की बदबू दूर करने में सहायक हो सकता है।

कामकाजी महिलाओं के लिए समय की बचत से जुड़े ये 5 टिप्स हो सकते हैं लाभदायक

आजकल महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं, फिर चाहे वह ऑफिस हो या घर हो। कामकाजी महिलाओं के लिए समय का प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। सही समय प्रबंधन से महिलाएं अपने कामों को आसानी से पूरा कर सकती हैं और तनावमुक्त रह सकती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार सुझाव जानेंगे, जो कामकाजी महिलाओं के लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं।

प्राथमिकता तय करें

सबसे पहले आपको यह तय करना होगा कि कौन-से काम सबसे ज्यादा अहम हैं और उन्हें पहले करना चाहिए। इसके लिए आप एक सूची बना सकती हैं, जिसमें सबसे जरूरी काम ऊपर हों और कम जरूरी नीचे। इससे आपको यह पता चलेगा कि किस काम पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है और कौन-से काम बाद में किए जा सकते हैं। इससे आपका समय सही तरीके से बंटेगा और आप तनावमुक्त रहेंगी।

अलार्म का उपयोग करें

अपने मोबाइल या घड़ी पर अलार्म सेट करें ताकि आप समय पर हर काम कर सकें। इससे आप किसी भी काम में देरी नहीं होंगी और सब कुछ समय पर पूरा होगा। अलार्म का उपयोग करने से आप अपने दिनचर्या को बेहतर तरीके से संभाल सकेंगी और किसी भी काम को भूलने से बच सकेंगी। यह आदत आपके समय प्रबंधन को सुधारने में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

छोटे-छोटे ब्रेक लें

काम करते समय छोटे-छोटे ब्रेक लेना बहुत जरूरी है ताकि आप थकान महसूस न करें। 50 मिनट काम करने के बाद 10 मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ी टहलें या कुछ हल्का खाएं, जिससे आपकी ऊर्जा बनी रहेगी और आप फिर से ताजगी से काम कर सकेंगी। ब्रेक लेने से आपका ध्यान भी बेहतर रहेगा और आप ज्यादा उत्पादक बन सकेंगी। यह आदत आपको थकान से बचाएगी और आपके काम की गुणवत्ता को भी बढ़ाएगी।

एक समय में एक काम करें

एक साथ कई काम करने से अक्सर कोई एक काम ठीक से नहीं होता। इसलिए जितना संभव हो उतना एक समय में एक ही काम करें। इससे आपका ध्यान भटकेगा नहीं और आपका काम जल्दी पूरा होगा। एक समय में एक काम करने पर आप हर काम को बेहतर तरीके से कर पाएंगी और आपका समय भी बच सकेगा। इससे आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आप कम तनाव में अधिक काम कर सकेंगी।

योजना बनाकर चलें

रोजाना सुबह उठते ही या रात को सोने से पहले अगले दिन की योजना बना लें कि आपको कौन-कौन से काम करने हैं और किस क्रम में करने हैं। इससे आपका दिन व्यवस्थित रहेगा और आपको किसी भी काम में परेशानी नहीं होगी। इन सरल लेकिन असरदार सुझावों को अपनाकर आप अपने समय प्रबंधन को बेहतर बना सकती हैं और अपने जीवन को संतुलित रख सकती हैं।

आंखों के नीचे हैं काले घेरे, सिर्फ क्रीम या देसी नुस्खे से नहीं चलेगा काम, ध्यान रखें ये बातें

आंखों के नीचे काले घेरे आपके चेहरे को बेहद डल और उम्र से ज्यादा बढ़ा भी दिखाते हैं। डार्क सर्कल की कई वजह हो सकती हैं जैसे स्ट्रेस लेना, बीमार होना। डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए आप नेचुरल चीजों के साथ ही अंडर आई क्रीम और पैचेस का यूज कर सकते हैं, लेकिन सबसे जरूरी कुछ बातें हैं जिनका ध्यान रखें।

आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल इसे जिन्हें पेरिऑर्बिटल हाइपरपिगमेंटेशन (पीओएच) कहा जाता है। इससे त्वचा देखने डार्क ब्राउन कलर की दिखने लगती है। कुछ लोगों में स्किन का रंग बैंगनी या नीला भी दिखाई देता है। वैसे तो डार्क सर्कल किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकते हैं, लेकिन कुछ लोगों में इसकी संभावना ज्यादा होती है। जैसे कुछ लोगों में अनुवांशिक (जेनेटिक) हो सकता है। जैसे आपके पेरेंट्स में से ये किसी को रहा है क्योंकि उनकी स्किन पतली और रही हो। इसके अलावा भी बहुत सारी वजह होती हैं, जिससे डार्क सर्कल हो सकते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए कई देसी नुस्खे कारगर होते हैं तो वहीं अब मार्केट में एक से बढ़कर एक सीरम, अंडर आई क्रीम भी मौजूद हैं, लेकिन ये तभी काम करेंगे जब आप अपनी लाइफस्टाइल में सुधार करें।

पलकों के ऊपर और आंखों के नीचे के हिस्सा की त्वचा का रंग गहरा होना यानी पिग्मेंटेशन ही डार्क सर्कल कहलाता है। कुछ लोगों में आंखों के नीचे गड्ढा जैसा बना जाता है, जिस वजह से शैडो दिखने लगती है और ये भी डार्क सर्कल की तरह ही महसूस होते हैं। कुछ में ये उम्र के साथ दिखाई देते हैं तो कुछ को कम उम्र में ही आंखों के नीचे काले घेरे होने की समस्या हो सकती है। जान लेते हैं कि डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए कौन सी बातें ध्यान में रखें।

नींद में करें सुधार

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो बाहरी ट्रीटमेंट के साथ ही जरूरी है कि आप अंदरूनी बॉडी साइकिल को सही करें। इसके लिए पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। अगर आप देर रात तक जागते हैं तो अपनी इस आदत को बदलने की कोशिश करें। कम से कम रात को 10 बजे तक सो जाना चाहिए और रोजाना 7 से 8 घंटे की प्रॉपर नींद लें। इससे आपका स्ट्रेस भी कम होगा। दरअसल ये भी एक वजह है, जिससे डार्क सर्कल होने लगते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करें

आंखों के नीचे काले घेरे होने की एक वजह फोन या फिर किसी भी तरह की स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना है। क्या आप भी लंबा टाइम स्क्रीन पर बिताते हैं? इसे कम करने की कोशिश करें। आपको स्क्रीन पर अगर काम करना जरूरी है तो कम से कम कोशिश करें कि रात में सोने से दो घंटे पहले फोन छोड़ दें। अंधेरे में स्क्रीन न देखें। टीवी की टाइमिंग कम कर दें। इसके अलावा शाम को आप अपनी आंखों को थोड़ा आराम दें, जैसे ठंडी सिकाई करना। आंखों के ऊपर खीरा रखना।

खानपान में सुधार

कई बार आंखों के नीचे काले घेरे ये भी संकेत देते हैं कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी है। ऐसे में आपको अपने खानपान को सुधारने पर भी ध्यान देना चाहिए। आप चाहे तो एक्सपर्ट से मिलकर जांच करवाने के बाद एक प्रॉपर डाइट ले सकते हैं या फिर अनहेल्दी खाने के बंद करके अपनी डाइट में मोड्यूलेशन में सीजनल सब्जियां, फल, सीड्स, नट्स, अनाज, ड्राई फ्रूट्स आदि को शामिल करें।

हाइड्रेशन में सुधार करें

पानी की कमी की वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे हो सकते हैं। जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और हाइड्रेशन के लिए हेल्दी ड्रिंक्स लें। जैसे नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ आदि। इसके अलावा आंखों के नीचे की त्वचा को भी हाइड्रेट रखें। आप किसी अच्छे ऑयल से कुछ देर मसाज कर सकते हैं।

खराब आदतों को बदलें

आंखों के नीचे काले घेरे होने से लेकर आपके होंठ और त्वचा का पिग्मेंट होनाये सारी चीजें कुछ खराब आदतों की वजह से भी हो सकती हैं। जैसे अल्कोहल ज्यादा लेना। स्मोकिंग करना। अगर आपमें भी ये खराब आदतें हैं तो तुरंत बदल देनी चाहिए। इससे स्किन के साथ ही आपकी ओवरऑल हेल्थ भी सुधरेगी।

तांबे के बर्तन में पानी पीने के क्या हैं फायदे? किन लोगों को करना चाहिए परहेज

भारतीय परंपरा में तांबे के बर्तन में पानी पीने की आदत सदियों पुरानी है, जिसे आयुर्वेद में भी बेहद लाभकारी माना गया है। आज के समय में जब लोग हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने की ओर बढ़ रहे हैं, तो एक बार फिर तांबे के बर्तन ट्रेंड में आ गए हैं और कई लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। माना जाता है कि तांबे के बर्तन में रखा पानी शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन सुधारने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है।

हालांकि, जहां एक ओर इसके कई फायदे बताए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर हर किसी के लिए इसका सेवन सही हो, ऐसा जरूरी नहीं है। कुछ लोगों के लिए तांबे का पानी नुकसानदायक भी साबित हो सकता है, खासकर अगर इसका सेवन सही मात्रा और तरीके से न किया जाए। चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं कि किन लोगों को तांबे के बर्तन में रखा पानी नहीं पीना चाहिए और क्यों।

तांबे के बर्तन में रखे पानी के क्या हैं फायदे

तांबे के बर्तन में रखा पानी पीना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता बताती हैं कि, इसमें नेचुरल रूप से एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं और शरीर को संक्रमण से बचाते हैं। तांबे का पानी पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। इसके नियमित सेवन से शरीर का मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, जिससे वजन संतुलित रखने में भी मदद मिल सकती है। इसके अलावा इसमें आयरन का अवशोषण बढ़ता है। ऐसे में ये खून की कमी को दूर करने में भी मदद करता है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए सेवन?

लिवर या किडनी के मरीज- हेल्थलाइन के मुताबिक, अगर किसी को पहले से लिवर या किडनी से जुड़ी समस्या है, तो शरीर एक्ट्रसा कॉपर को सही तरीके से प्रोसेस नहीं कर पाता। इससे कॉपर शरीर में जमा होकर नुकसान पहुंचा सकता है, जैसे लिवर डैमेज या किडनी पर असर। छोटे बच्चे और शिशु- एनसीबीआई के मुताबिक, बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता, इसलिए वे कॉपर के ज्यादा लेवल को सहन नहीं कर पाते। रिसर्च बताती है कि सेंसिटिव समूहों में कॉपर की ज्यादा मात्रा से पेट से जुड़ी समस्याएं जल्दी हो सकती हैं। जिन्हें बार-बार पेट की समस्या होती है- कॉपर की ज्यादा मात्रा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (GI) इरिटेशन पैदा कर सकती है, जिससे उल्टी, पेट दर्द और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह खासकर तब होता है जब पानी में कॉपर की मात्रा ज्यादा हो जाती है। जो लोग जरूरत से ज्यादा तांबे का पानी पीते हैं- वैज्ञानिक रूप से यह साबित है कि कॉपर एक ट्रेस मिनरल है, यानी इसकी जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है।अगर कोई व्यक्ति रोज ज्यादा मात्रा में तांबे का पानी पीता है, तो शरीर में कॉपर जमा होकर कॉपर टॉक्सिसिटी पैदा कर सकता है, जिससे लिवर डैमेज, उल्टी और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ईरान युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका, आईएमएफ प्रमुख की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) की प्रमुख ने कहा कि ईरान युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दिया है। इसकी वजह से ऊर्जा की सप्लाई बाधित हो गई है और पूरी दुनिया में कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर आने वाले साल तक महसूस होता रहेगा।

आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने सीबीएस न्यूज के एक इंटरव्यू में कहा कि इस रुकावट का पैमाना और अवधि ही इसके दीर्घकालिक परिणामों को निर्धारित करेगी। उन्होंने आगाह किया कि इसके प्रभाव पहले से ही व्यापक हैं।

उन्होंने कहा, मैं आपको यह बता सकती हूं कि यह झटका बहुत बड़ा है। दुनिया का लगभग 13 प्रतिशत तेल और 20 प्रतिशत गैस, जो सामान्य रूप से सप्लाई होती, वह अब पिछले पांच हफ्तों से अटकी हुई है, जिससे सप्लाई की गंभीर स्थिति समझ आती है।"

उन्होंने कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन हर देश पर अलग तरह से। हर कोई ऊर्जा का इस्तेमाल करता है। हर कोई बढ़ती कीमतों का असर महसूस कर रहा है और यह अलग-अलग देशों पर अलग तरीके से असर डालता है।

ऊर्जा पर निर्भर देश और संघर्ष के पास वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जबकि कम आय वाले देशों पर इसका दबाव और भी ज्यादा है क्योंकि उनके पास संसाधन सीमित हैं।

जॉर्जीवा ने बताया कि इसका असर अब कई क्षेत्रों में दिखने लगा है जैसे ईंधन की कमी, खाद की सप्लाई में दिक्कत, ट्रांसपोर्ट और विदेश से आने वाले पैसों पर भी।

उन्होंने कहा कि लोग परेशान हैं, और कई जगहों पर सामान की भारी कमी हो रही है। जरूरी चीजें ही उपलब्ध नहीं हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि एशिया के कई हिस्सों में ऊर्जा की राशनिंग और सप्लाई की कमी से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। साथ ही चेतावनी दी कि खाद की कीमतें बढ़ने से दुनिया भर में खाने-पीने की चीजें भी महंगी हो सकती हैं।

आईएमएफ प्रमुख ने यह भी कहा कि भले ही संघर्ष रुक जाए, फिर भी इसका असर तुरंत खत्म नहीं होगा। यह असर पहले ही सिस्टम में बैठ चुका है। देरी से हुई सप्लाई और बुनियादी ढांचे को नुकसान लंबे समय तक असर डालता रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ जरूरी ऊर्जा उत्पादन सुविधाओं को पूरी तरह ठीक होने में तीन से पांच साल तक लग सकते हैं।

उन्होंने अमेरिका के बारे में बात करते हुए कहा कि वहां असर बाकी दुनिया के मुकाबले थोड़ा कम है, लेकिन बढ़ती कीमतें महंगाई को कंट्रोल करने की कोशिशों को मुश्किल बना सकती हैं।

उन्होंने कहा कि आईएमएफ को उम्मीद थी कि 2026 में वैश्विक विकास बेहतर होगा, लेकिन अब इस युद्ध की वजह से यह अनुमान कम हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि संघर्ष कितने समय तक चलता है और उत्पादन कितनी जल्दी ठीक होता है।

सीजफायर टूटा तो दुनिया पर आएगा बड़ा संकट! वर्ल्ड बैंक के चीफ की चेतावनी, हालात होंगे बेकाबू

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के आर्थिक प्रभाव अब धीरे-धीरे वैश्विक स्तर पर दिखने लगे हैं। इस बीच विश्व बैंक के अध्यक्ष ्रद्धड्ड4 क्चड्डठ्ठद्दड्ड ने दुनिया को आगाह किया है कि मौजूदा सीजफायर अगर टूटता है, तो इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही युद्ध फिलहाल थम जाए, लेकिन इसका असर लंबे समय तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बना रहेगा।

ग्रोथ पर पड़ेगा असर

अजय बंगा के मुताबिक, यदि सीजफायर कायम रहता है तो भी वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0.3त्न से 0.4त्न तक गिरावट संभव है। वहीं, अगर हालात बिगड़ते हैं और संघर्ष दोबारा तेज होता है, तो यह गिरावट 1त्न तक पहुंच सकती है। इसका सीधा असर व्यापार, ऊर्जा बाजार और वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर पड़ेगा।

महंगाई का दबाव बढ़ेगा

इस संकट का असर महंगाई पर भी साफ दिख सकता है। अनुमान के मुताबिक, सीजफायर जारी रहने की स्थिति में महंगाई 0.2त्न से 0.3त्न तक बढ़ सकती है। लेकिन अगर संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह बढ़कर 0.9त्न तक पहुंच सकती है। खासकर विकासशील देशों के लिए यह स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण होगी, जहां महंगाई दर 6.7त्न तक जा सकती है।

ऊर्जा संकट से बढ़ेंगी चुनौतियां

ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर देशों के लिए यह संकट और गंभीर हो सकता है। विश्व बैंक पहले ही ऐसे देशों के साथ संवाद कर रहा है, जो ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भर हैं। छोटे द्वीपीय देशों के लिए स्थिति और कठिन हो सकती है, जिसके मद्देनजर इमरजेंसी फंडिंग की तैयारी की जा रही है।

सरकारों को सख्त सलाह

अजय बंगा ने सरकारों को चेताया कि वे अल्पकालिक राहत देने वाली लेकिन दीर्घकाल में अस्थिर ऊर्जा सब्सिडी से बचें। उन्होंने जोर देकर कहा कि देशों को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी चाहिए, ताकि भविष्य में आर्थिक अस्थिरता से बचा जा सके।

नाइजीरिया मॉडल का जिक्र

बंगा ने नाइजीरिया का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां 20 अरब डॉलर की रिफाइनरी परियोजना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है। इससे न केवल आत्मनिर्भरता बढ़ी है, बल्कि पड़ोसी देशों को ईंधन निर्यात करने की क्षमता भी विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि परमाणु, पवन, सौर और जलविद्युत जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर निवेश बढ़ाना समय की जरूरत है, वरना दुनिया फिर पारंपरिक ईंधन पर निर्भर होकर आर्थिक और पर्यावरणीय जोखिम बढ़ा सकती है।

खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित, 2 हजार से अधिक लोग लौटे : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने रविवार को बताया कि खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय झंडे वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है।

पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय ने डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग के जरिए अब तक 2,084 से ज्यादा भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाने में मदद की है, जिनमें से पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से 75 लोग शामिल हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य है और कहीं भी भीड़ या रुकावट की कोई समस्या नहीं है। मंत्रालय विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियां बिना रुकावट चलती रहें।

शिपिंग कंट्रोल रूम 24 घंटे काम कर रहा है और शुरू होने के बाद से अब तक 6,053 कॉल और 12,787 से ज्यादा ईमेल संभाल चुका है। पिछले 24 घंटों में 80 कॉल और 112 ईमेल प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में भारतीय दूतावास लगातार भारतीय लोगों के संपर्क में हैं और उनकी मदद कर रहे हैं, साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी सलाह भी दे रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह खाड़ी और पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास 24 घंटे हेल्पलाइन चला रहे हैं और भारतीय नागरिकों की सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। समय-समय पर नई जानकारी और सलाह भी दी जा रही है, जिसमें स्थानीय नियम, उड़ानों की स्थिति और कांसुलर सेवाएं शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार, दूतावास भारतीय समुदाय, प्रोफेशनल समूहों और कंपनियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

जहां हवाई क्षेत्र खुला है, वहां से उड़ानें जारी हैं। 28 फरवरी से अब तक लगभग 8,97,000 यात्री इस क्षेत्र से भारत आ चुके हैं।

यूएई में सुरक्षा और संचालन को ध्यान में रखते हुए सीमित संख्या में विशेष उड़ानें चल रही हैं, और आज लगभग 95 उड़ानों की उम्मीद है। सऊदी अरब और ओमान के कई हवाई अड्डों से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, इसलिए आज कतर एयरवेज की करीब 8–10 उड़ानें भारत आने की उम्मीद है।

ईरान और इजराइल का हवाई क्षेत्र अभी बंद है। ईरान से भारतीयों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते भारत लाया जा रहा है, जबकि इजराइल से लोगों को जॉर्डन और मिस्र के जरिए भारत लाने की व्यवस्था की जा रही है।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति का किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप दी।

डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद!

डोमोक्रेट्स पर साधा निशाना

इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

इस घटना को सोशल मीडिया पर किया गया शेयर

वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ट्रंप की टैक्स नीति से सिमंस जैसी कामकाजी महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिमंस ने पिछले साल टिप्स से करीब 11,000 डॉलर कमाए, जिससे वह अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

ड्रैगन ने अमेरिकी नाकेबंदी को ठेंगा दिखाया: होर्मुज में पाबंदियों के बावजूद टैंकर सुरक्षित निकला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति की बातचीत नाकाम हो गई है। इसके बाद अमेरिका ने ईरान को घेरने के लिए नाकेबंदी शुरू कर दी है। हालांकि, इस नाकेबंदी का चीन पर कोई असर नहीं दिख रहा है। अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद चीन का जहाज 'रिच स्टैरी' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर गया है। खास बात यह है कि अमेरिका ने इस जहाज पर पहले से ही प्रतिबंध लगा रखा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में एलएसईजी, मरीनट्रैफिक और केप्लर के डेटा के हवाले से यह जानकारी दी गई है। डेटा के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाकेबंदी के बाद यह पहला जहाज है जो इस रास्ते से गुजरकर खाड़ी से बाहर निकला है।

इस जहाज की मालिक शंघाई शुआनरुन शिपिंग कंपनी लिमिटेड है। ईरान के साथ व्यापार करने की वजह से अमेरिका ने इस कंपनी पर प्रतिबंध लगा रखा है। 'रिच स्टैरी' एक मध्यम आकार का टैंकर है। यह अपने साथ करीब 2 लाख 50 हजार बैरल मेथेनॉल लेकर जा रहा है। इस जहाज ने यूएई के हामरियाह पोर्ट से अपना सामन लादा था। फिलहाल अमेरिका या जहाज कंपनी ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

चीन का कड़ा रुख

चीन ने इस मामले में अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन ने कहा कि उनके जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आते-जाते रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान के साथ चीन के ऊर्जा और व्यापार समझौते हैं। चीन इन समझौतों को निभाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दूसरे देश उनके निजी मामलों में दखल नहीं देंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस समुद्री रास्ते पर सुरक्षा और स्थिरता अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, चीन ने ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर भी अपनी राय दी है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि टैरिफ युद्ध से किसी की जीत नहीं होती। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात होने की उम्मीद है।

अमेरिका की कार्रवाई और ईरान की धमकी

ब्रिटेन की संस्था UKMTO ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान जाने वाले या वहां से आने वाले हर जहाज को रोका जाएगा। हालांकि, दूसरे देशों के बंदरगाहों पर जाने वाले जहाजों को रास्ता दिया जाएगा। इसके जवाब में ईरान ने भी धमकी दी है कि वह फारस और ओमान की खाड़ी के बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। बता दे कि इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज की पूरी तरह नाकेबंदी करने की घोषणा की थी।

अमेरिका और इंडोनेशिया में रक्षा सहयोग साझेदारी शुरू, द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की पहल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने सोमवार को पेंटागन में इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री शफ्री शमसुद्दीन का स्वागत किया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख रक्षा सहयोग साझेदारी शुरू करने की घोषणा की। यह नई रूपरेखा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर केंद्रित है।

दोनों के बीच सालाना 170 से अधिक सैन्य अभ्यास

हेगसेथ ने कहा कि यह यात्रा इंडोनेशिया के साथ अमेरिका के बढ़ते सुरक्षा संबंधों के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि दोनों देश सालाना 170 से अधिक सैन्य अभ्यास करते हैं। हेगसेथ ने इस साझेदारी को सुरक्षा संबंधों की ताकत और क्षमता का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा, यह क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करेगा और शांति के प्रति साझा प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। शमसुद्दीन ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, हम आपसी सम्मान और लाभ के आधार पर अपने राष्ट्रीय हितों के मूल्य को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। दोनों नेताओं ने इस साझेदारी को भविष्य के सहयोग के लिए एक नई शुरुआत बताया।

साझेदारी के मुख्य स्तंभ

यह समझौता तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है। इनमें सैन्य संगठन और क्षमता निर्माण शामिल हैं। प्रशिक्षण और पेशेवर सैन्य शिक्षा इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। अभ्यास और परिचालन सहयोग भी इस साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है।

भविष्य की पहल और सहयोग

साझेदारी में उन्नत पहलों का पता लगाने की योजना भी शामिल है। इसमें असममित क्षमताओं का सह-विकास और अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दोनों पक्षों ने संयुक्त विशेष बलों के प्रशिक्षण को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। हेगसेथ ने द्वितीय विश्व युद्ध के अमेरिकी सैनिकों के अवशेषों की बरामदगी में इंडोनेशिया की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

होर्मुज जाने की जरूरत ही नहीं! ईरान से सामान लाने के लिए एशिया में मिला जमीन वाला रास्ता

वॉशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज पर मचे बवाल के बीच पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया और मध्य एशिया को जोड़ने के लिए ईरान के जरिए एक जमीनी रास्ता तैयार किया है। सोमवार (13 अप्रैल) को इस रास्ते से पहली बार माल भी भेजा गया है। यह रूट अगर सफल रहता है तो एशिया में ईरान से सामान भेजने के लिए समुंदर के रास्ते की जरूरत नहीं होगी। माल सप्लाई के लिए जमीन का एक वैकल्पिक रास्ता तैयार हो जाएगा।

मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस गलियारे का इस्तेमाल पाकिस्तान ने उज्बेकिस्तान में माल भेजने के लिए किया है। पाकिस्तान ने सोमवार को कुछ सीलबंद ट्रक के जरिए इस रास्ते से उज्बेकिस्तान को जरूरी सामान भेजा। इस रूट का नाम ईरान ट्रांजिस्ट कॉरिडोर है।

इसका रूट मैप समझिए

पाकिस्तान के कराची से इस रूट की शुरुआत हुई है। इसके बाद यह पाकिस्तान के ताफ्तान-मिर्जावेह के रास्ते गबद-रिमदान चौकियों के जरिए ईरान में प्रवेश कर जाती है। यहां से ईरान के कुछ हिस्सों से गुजरते हुए रास्ता तुर्केमिनिस्तान होते हुए उज्बेकिस्तान में एंटर कर जाता है।

2021 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के काबुल होते हुए ताशकंद को माल भेजा था, लेकिन इस वक्त अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सब कुछ ठीक नहीं है। दोनों के बीच व्यापार पूरी तरह ठप है। यही वजह है कि पाकिस्तान ने मध्य एशिया में सामान भेजने के लिए ईरान का रास्ता अख्तियार किया है।

यह रास्ता अहम क्यों है?

1- ईरान-पाकिस्तान-उज्बेकिस्तान के इस रूट की पहुंच कैस्पियन सागर, फारस की खाड़ी और अरब सागर में है। समुंदर के किसी भी जगह से इस रूट के लिए माल लोड किया जा सकता है।

2- कराची के रास्ते एशिया के छोटे-छोटे देश को आसानी से सामान भेजा जा सकता है। ईरान का तेल आसानी से दक्षिण एशिया में बिक सकता है। ईरान को तेल बेचने के लिए होर्मुज की जरूरत नहीं होगी।

अमेरिका ने होर्मुज की नाकाबंदी की

अमेरिका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए होर्मुज की पूर्ण नाकाबंदी कर दी है। इस नाकाबंदी के कारण होर्मुज में छोटे-छोटे देशों के जहाज फंस गए हैं। अब जब तक दोनों देशों के बीच वार्ता सफल नहीं होती है, तब तक इस रास्ते से जहाजों का निकलना मुश्किल है। ऐसे में इस नए रूट से एशियाई देशों में ऊर्जा संकट को कम किया जा सकता है।

बंगाल एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा–

भारत में जन्मे शख्स को वोट का अधिकार, कटे वोट से कम हुआ जीत का अंतर तो देखेंगे...

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है तो वहीं वोटर लिस्ट से जुड़े मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने कल सोमवार को सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की कि देश में जन्मे किसी भी व्यक्ति को वोटर लिस्ट में शामिल होने और सरकार चुनने के लिए वोट देने का अधिकार है। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राज्य की सियासत में और गर्माहट आ सकती है क्योंकि इसे ममता बनर्जी की पार्टी TMC बड़ा चुनावी हथियार बना सकती है।

CJI सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सदस्य, जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने अपनी बात रखते हुए कहा, "कहीं न कहीं हम आगामी चुनावों की गहमागहमी और शोर-शराबे के बीच अंधे होते जा रहे हैं। जिस देश में आपका जन्म हुआ है, वहां वोटर लिस्ट में बने रहने और वोट देने का अधिकार न सिर्फ संवैधानिक है, बल्कि भावनात्मक भी है।"

उन्होंने यह भी कहा, "यह राष्ट्रीयता और देशभक्ति की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति भी है कि आप एक लोकतांत्रिक सरकार चुनने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। यह एक ऐसा विषय है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।" जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि ओरिजिनल SIR प्रक्रिया में साल 2002 की वोटर लिस्ट में शामिल लोगों की दोबारा जांच करने का कोई प्रावधान नहीं था।

जज ने इस सवाल पर कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया कि क्या भारत में अवैध प्रवासियों से जन्मे बच्चों को भी, आम नागरिकों से जन्मे बच्चों की तरह, वोट देने का अधिकार दिया जाएगा। हालांकि, बेंच ने उन लोगों को वोट देने की इजाजत देने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों की ओर से वोट डालने के लिए पात्र घोषित किया गया था।

... तो हम इस केस पर पुनर्विचार करेंगे: सुप्रीम कोर्ट

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस। नायडू ने कहा कि पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया में कुछ भी असामान्य नहीं किया जा रहा है, क्योंकि वोटर्स को लिस्ट से हटाने की दर अन्य राज्यों की वोटर लिस्ट से हटाए गए वोटर्स के प्रतिशत के आंकड़ों के लगभग बराबर ही है। इस मसले पर बहस तब शुरू हुई जब सीनियर एडवोकेट रऊफ रहीम ने यह दलील दी कि जिन लोगों को अपीलीय न्यायाधिकरणों की ओर से वोटिंग के लिए पात्र घोषित किया गया है, उन्हें वोटर लिस्ट के 'फ्रीज़' होने के बावजूद वोट देने की अनुमति दी जानी चाहिए। जस्टिस बागची ने कहा, "हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि बंगाल इस मामले में सबसे अलग है या SIR की सामान्य प्रक्रिया का ही एक हिस्सा है। लेकिन 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी अन्य राज्यों में देखने को नहीं मिली है। जांच-पड़ताल के दौरान उचित मामलों में सुनवाई की सुविधा उपलब्ध होती है, लेकिन न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच के दौरान यह सुविधा नहीं दी गई। इसका मुख्य कारण काम का अधिक बोझ और चुनावों की करीब होना रहा।" जस्टिस बागची ने कहा कि यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में 10% वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटा दिया जाता है, और वहां हार- जीत का अंतर 15% या उससे अधिक का रहता है, तो चुनाव परिणाम को सही और वैध माना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, "यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में जीत का अंतर महज 2 फीसदी है और वोटर्स को वोटर लिस्ट से हटाने की दर 10 फीसदी है, तो हम ऐसे मामलों पर विशेष रूप से विचार करेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "अगर चुनाव आयोग के SIR पर बने मूल SOP पर गौर करें, तो 2002 की वोटर लिस्ट में शामिल लोगों का कोई सवाल ही नहीं था। लेकिन अब आपने उन मामलों की जांच की है, जिनमें फॉर्म में भरी गई पहचान 2002 की वोटर लिस्ट के नामों से मेल नहीं खाया। इसीलिए हमने अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किया और दावों, आपत्तियों और साथ में लगे दस्तावेजों की जांच के भारी-भरकम काम के लिए अपने न्यायिक अधिकारियों को लगाया।"

अपीलीय फोरम को अपना काम करने दीजिए : सुप्रीम कोर्ट

जज ने आगे कहा, "हम इस प्रक्रिया में जल्दबाजी नहीं कर सकते। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने एक विस्तृत अपीलीय फोरम बनाया, जो एक निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करना चाहता था, जिसका मकसद वोटर लिस्ट को बढ़ाना या घटाना नहीं था। अब तक 34 लाख से अधिक अपीलें दाखिल की जा चुकी हैं।"

तमिलनाडु में भाजपा ने जारी किया घोषणापत्र, नड्डा बोले– डीएमके ने राज्य को कई मोर्चों पर कमजोर किया

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जहां एक ओर सियासत में जबरदस्त गर्माहट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर अब राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी और तेज कर दी है। इसी क्रम में भाजपा ने चेन्नई में आगामी चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, भाजपा नेता के अन्नामलाई और तमिलिसाई सुंदरराजन मौजूद रहे।

पार्टी ने चुनाव को लेकर अपनी योजनाएं और वादे जनता के सामने रखे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तमिलनाडु की राजनीति और राज्य की मौजूदा सरकार पर बड़ा बयान भी दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक का केंद्र रहा है और हर भारतीय इसके सांस्कृतिक गौरव पर गर्व करता है।

नड्डा ने तमिलनाडु सरकार पर साधा निशाना

अपने बयान में नड्डा ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आज यही सांस्कृतिक राज्य अपराधों का केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है और इसके लिए उन्होंने सीधे तौर पर सत्तारूढ़ डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। जेपी नड्डा ने कहा कि डीएमके सरकार ने तमिलनाडु को कई मोर्चों पर कमजोर किया है और जनता अब इसका जवाब चुनाव में देगी। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में लोग डीएमके की नीतियों और कामकाज को उजागर करेंगे।

डीएमके को बताया परिवारवादी पार्टी

इस दौरान नड्डा ने डीएमके को एक परिवारवादी पार्टी भी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में सत्ता कुछ ही लोगों के हाथों में केंद्रित है। नड्डा के अनुसार मुख्यमंत्री एमके स्टालिन शीर्ष पर हैं, उनके बेटे उदयनिधि उत्तराधिकारी की भूमिका में हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं और सबरीसन पार्टी के संचालन से जुड़े हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के विश्वास को तोड़ा है और उनके हितों की अनदेखी की है।

कार्तिक आर्यन की नई हीरोइन प्रीति मुकुंदन कौन हैं? नागजिला से कर रहीं बॉलीवुड में एंट्री

सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली रोमांचक फिल्म नागजिला को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार चर्चा सिर्फ कार्तिक की नहीं, बल्कि उनके साथ नजर आने वाली अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की भी हो रही है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीति अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड सफर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन हैं प्रीति मुकुंदन, आइए जानते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से बेहद खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुद प्रीति भी इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें दर्शकों के सामने अपना एक अलग अंदाज पेश करने का मौका मिल रहा है।

प्रीति एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जो अब तक कई तेलुगू, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रीति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म स्टार के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उधर मैंने प्यार किया उनकी पहली मलयालम फिल्म थी। प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा गया था।

मृणाल ठाकुर– अदिवी शेष की फिल्म डकैत ने दूसरे दिन किया धमाल, कर लिया इतना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर।

सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को 28.5 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली है। फिल्म 3,734 शोज पर रिलीज हुई है। फिल्म दो भाषा में रिलीज हुई है। दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 1।4 करोड़ और तेलुगू में फिल्म ने 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं। पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ की कमाई कर ली है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 13.55 करोड़ हो गया है।

बता दें कि फिल्म ने दिन 6।55 करोड़ का कलेक्शन किया है। पहले दिन फिल्म 3800 शोज पर रिलीज हुई। फिल्म को ओवरसीज मार्केट में शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 9 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। फिल्म का दुनियाभर में टोटल ग्रॉस 24.81 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

फिल्म की बात करें तो इसे शैनील देव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं। ये एक एक्शन-रोमांटिक ड्रामा है। फिल्म पहले 19 मार्च में रिलीज होने वाली थी। लेकिन धुरंधर 2 के चलते फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया था। अब 10 अप्रैल को फिल्म रिलीज हो गई है। इस फिल्म में मृणाल और अदिवी की लव स्टोरी दिखा गई।

डकैत को पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं। सुपरस्टार नानी ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने लिखा, सच ब्लॉकबस्टर। डकैत क्या फिल्म है। फिल्म के थिएट्रिकल एक्सपीरियंस को मिस मत कीजिए। अदिवी शानदार हैं और ये इनकी अबतक की बेस्ट है। सभी बहुत शनदार हैं। राइटिंग-स्क्रीनप्ले डिपार्टमेंट सब बेहतरीन। मृणाल ठाकुर आपने इस रोल को कितनी खूबसूरती से किया है। उनके रिव्यू पर अदिवी ने रिएक्ट भी किया। उन्होंने लिखा- थैंक्यू बड़े भई। डकैत टीम बहुत एक्साइटेड हैं आपके रिव्यू को पढ़कर। ये मेरे लिए एक्स्ट्रा स्पेशल है।

निखिल सिद्धार्थ की फिल्म स्वयंभू का पहला गाना रा रा धीवरा की रिलीज़ डेट अनाउंस, नया पोस्टर भी आउट

कार्तिकेय 2 की देशव्यापी सफलता के बाद, निखिल सिद्धार्थ अपने अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट, स्वयंभू की रिलीज़ के लिए कमर कस रहे हैं। भारत कृष्णमाचारी द्वारा निर्देशित और पिक्सेल स्टूडियोज़ के भुवन और श्रीकर द्वारा निर्मित, जिसे टैगोर मधु प्रस्तुत कर रहे हैं, स्वयंभू को एक भव्य पैमाने की पीरियड एक्शन फ़िल्म के तौर पर बनाया गया है।

फ़िल्म का संगीत रवि बसरूर ने तैयार किया है, और निर्माताओं ने घोषणा की है कि इसका पहला गाना, रा रा धीवरा, 16 अप्रैल को रिलीज़ किया जाएगा। यह घोषणा एक ज़बरदस्त पोस्टर के साथ की गई, जिसमें निखिल एक भयंकर योद्धा के अवतार में नज़र आ रहे हैं; वे एक घने जंगल में खड़े हैं और पूरी एकाग्रता के साथ भाला फेंकने के लिए तैयार हैं। यह पोस्टर इस बात का संकेत देता है कि रा रा धीवरा देखने में बेहद शानदार होगा और इसे एक भव्य पैमाने पर फ़िल्माया गया है।

स्वयंभू का टीज़र, जो कुछ समय पहले रिलीज़ हुआ था, उसे इसके भव्य पैमाने, शानदार विज़ुअल्स और इसकी दुनिया के बेहतरीन निर्माण के लिए ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इस ज़बरदस्त प्रतिक्रिया ने पूरे भारत के दर्शकों के बीच इस फ़िल्म को लेकर उम्मीदें बहुत बढ़ा दी हैं। निखिल ने स्वयंभू के लिए लगभग दो साल समर्पित किए हैं, और इस किरदार को पूरी तरह से निभाने के लिए उन्होंने काफ़ी ज़्यादा शारीरिक मेहनत की है। संयुक्ता और नाभा नटेश फ़िल्म में मुख्य महिला किरदार निभा रही हैं, जिससे इस ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा में और भी ज़्यादा स्टार पावर जुड़ गई है। स्वयंभू अपनी भव्य सोच के अनुरूप एक बेहतरीन टेक्निकल टीम को साथ लाती है। इसकी सिनेमैटोग्राफ़ी केके सेंथिल कुमार ने की है, संगीत रवि बसरूर ने दिया है, और प्रोडक्शन डिज़ाइन एम प्रभाकरन और रवींद्र ने किया है। फ़िल्म का संपादन तम्मीराजू ने किया है, इसके डायलॉग विजय कामिसेट्टी ने लिखे हैं और गीत रामजोगय्या शास्त्री ने लिखे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com